राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अकं :259 रांची (झारखंड) मंगलवार ,01 जुलाई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

मनुष्य सोचने-समझने की शक्ति का इस्तेमाल सभी जीवों के कल्याण के लिए करे : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

भरतपुर।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी प्रजातियों के संरक्षण को जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने और समझने की शक्ति दी है उसका इस्तेमाल सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के दीक्षांत समारोह में कहा कि मनुष्य का वनों और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व का रिश्ता है। कई प्रजातियों के या तो विलुप्त होने या विलुप्त होने के कगार पर पहुंचने का उल्लेख करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रजातियों का संरक्षण जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा , ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने और समझने की शक्ति दी है, उसका उपयोग सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। कोरोना महामारी ने मानव जाति को आगाह किया है कि उपभोग पर आधारित संस्कृति न केवल मानव जाति को बल्कि अन्य जीवों और पर्यावरण को भी अकल्पनीय नुकसान पहुंचा सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि 'ईशावास्यम् इदं सर्वम्' के जीवन मूल्य पर आधारित भारतीय संस्कृति सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति देखती है। देवताओं और ऋषियों द्वारा जानवरों से संवाद करने की मान्यता भी इसी सोच पर आधारित है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आज पूरे विश्व में 'एक स्वास्थ्य' की

अवधारणा को महत्व मिल रहा है। इसका मानना है मनुष्य, पालतू तथा जंगली जानवर, वनस्पतियां और व्यापक पर्यावरण सभी एक दूसरे पर निर्भर हैं। हमें पशु कल्याण के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक प्रमुख पशु चिकित्सा संस्थान के रूप में आईवीआरआई इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है खासकर जूनोटिक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण में। राष्ट्रपति ने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह प्रौद्योगिकी पशु चिकित्सा और उनकी देखभाल में भी क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से देश भर के पशु चिकित्सालयों को सशक्त बनाया जा सकता है। जीनोम एडिटिंग, भ्रूण स्थानांतरण तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों का उपयोग इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। उन्होंने आईवीआरआई जैसे संस्थानों से पशुओं के लिए स्वदेशी और कम लागत वाले उपचार और पोषण खोजने की अपील की। उन्होंने कहा कि उन्हें उन दवाओं के विकल्प भी तलाशने चाहिए जिनके दुष्प्रभाव न केवल जानवरों बल्कि मनुष्यों और पर्यावरण को भी प्रभावित करते हैं।राष्ट्रपति ने मासूम और बेजुबान जानवरों के इलाज तथा कल्याण को अपना करियर चुनने के लिए आईवीआरआई के छात्रों की सराहना की। उन्होंने उन्हें सलाह दी कि अपने जीवन और करियर में किसी दुविधा की स्थिति में जानवरों के बारे में सोचें। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें सही रास्ता मिलेगा। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से उद्यमी बनने और पशु विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप स्थापित करने का आग्रह किया।

बोधगया मंदिर बौद्धों को सौंपने की याचिका पर विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बिहार के बोधगया मंदिर का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्धों को सौंपने का निर्देश देने की मांग को लेकर प्रस्तुत याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने सुलेखाताई नलिनिताई नारायणराव कुंभारे की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। पीठ ने हालांकि याचिकाकर्ता नारायणराव को इस मामले में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी। अदालत ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय से गुहार लगाने को कहा। न्यायमूर्ति सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका पर सीधे विचार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ऐसी याचिका विचारणीय नहीं है। याचिकाकर्ता ने बोधगया मंदिर प्रबंधन अधिनियम, 1949 में संशोधन करने और मंदिर का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्धों को सौंपने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने संबंधित बोधगया मंदिर अधिनियम को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए कहा कि उसे रद्द कर दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि बिहार के बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। यह भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े चार पवित्र क्षेत्रों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि बोधगया वह स्थान है, जहाँ भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

नमाज़वादी इंडी गठबंधन बिहार में शरीया कानून लागू करना चाहता है: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नये वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंकने संबंधी बयान की कड़ी प्रतिक्रिया जतायी है और पूछा है कि क्या 'नमाज़वादी' इंडी गठबंधन बिहार में शरीया कानून लागू करना चाहता है। भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आज यहां पार्टी मुख्यालय पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पटना के गांधी मैदान में रविवार को राष्ट्रीय जनता दल की रैली में श्री तेजस्वी यादव के भाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए। लेकिन बड़े दुख की बात है, पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे। वहां कल एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडी गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने ?कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और न्यायालय में विचाराधीन है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान है, न न्यायपालिका का सम्मान है। वोट बैंक की चाहत में इंडी गठबंधन के सहयोगी तेजस्वी यादव द्वारा जो कुछ बोला गया है, उससे साफ है कि ये संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहता हूँ कि कुरान में 'वक्फ' जैसा कोई शब्द नहीं है। यह मुल्लाओं और मौलवियों द्वारा बनाया गया शब्द है। इस्लाम आपको खर्च करना, देना सिखाता है, न कि रखना या जमा करना। और फिर भी, आप कहते हैं, संग्रह करो? यह बाबा साहब के संविधान का मज़ाक उड़ाने के अलावा और कुछ नहीं है बल्कि इसे धर्मनिरपेक्ष दस्तावेज़ से मौलवियों की स्क्रिप्ट में बदलने की कोशिश है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि अगर वे कभी सत्ता में आए तो यह संभव है कि वे बाबा साहब अंबेडकर के संविधान को कूड़ेदान में फेंक देंगे और शरिया कानून लागू करेंगे। यह कोई अतिश्योक्ति नहीं है। याद रखें, भारत में सरकार ने केवल एक बार 400 सीटें पार की हैं - 1985 में। और फिर क्या हुआ? शाहबानो मामले को देखें। उस 400 से ज़्यादा की सरकार ने उच्चतम न्यायालय के फ़ैसले को कुचल दिया और शरिया कानून को संविधान से ऊपर रख दिया। भाजपा प्रवक्ता ने सवाल किया, क्या इंडी गठबंधन बिहार में शरिया कानून लागू करने की कोशिश कर रहा है? क्या राजद और समाजवादी पार्टी (सपा) जैसी पार्टियां अपनी तुष्टीकरण की राजनीति को छिपाने के लिए समाजवाद का मुखौटा पहन रही हैं? डॉ. त्रिवेदी ने कहा, समाजवाद का मतलब है समान वितरण। लेकिन यहां, वे इस बात की वकालत कर रहे हैं कि जमीन के एक बड़े हिस्से पर मुट्ठी भर मुल्लाओं और मौलवियों का कब्ज़ा होना चाहिए। ये नेता वंचित मुसलमानों के साथ नहीं खड़े हैं। वे उन लोगों के साथ खड़े हैं जो धर्म के नाम पर गरीब मुसलमानों का शोषण करते हैं। अगर उन्हें 'समाजवादी' के बजाय 'नमाजवादी' कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का किया भंडाफोड़, 60 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर । पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया है । इस कार्रवाई में राजस्थान के बाड़मेर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से 60.302 किलोग्राम हेरोइन की बड़ी खेप बरामद की गई। इस कार्टेल को पाकिस्तानी तस्कर तनवीर शाह और कनाडा में रहने वाला हैंडलर जोबन कलेर संचालित कर रहा था। पंजाब पुलिस ने इस ऑपरेशन में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर से नौ प्रमुख तस्करों और हवाला ऑपरेटरों को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तारियों ने ड्रग तस्करी के इस विशाल नेटवर्क की कमर तोड़ दी, जो न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय था।

मौजूदा राजनीतिक माहौल लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं: उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड

एजेंसी

नई दिल्ली । उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में आरोप प्रत्यारोप का ऐसा दौर चल रहा है जिसमें राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति को भी घसीट लिया जाता है और यह भारतीय लोकतंत्र और संस्कृति से मेल नहीं खाता। श्री धनखड़ ने राजस्थान के जयपुर में राज्य के पूर्व विधायकों के संगठन राजस्थान प्रगतिशील मंच के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश का मौजूदा राजनीतिक परिवेश भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति से भी मेल नहीं खाता है। उन्होंने कहा,÷ राजनीति में आप अलग-अलग दलों में हो सकते हैं और इसमें भी बदलाव होता रहता है। सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष में जाता रहता है और प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष में आता रहता है। पर इसका मतलब यह नहीं है कि दुश्मनी हो जाए। दरार पैदा हो जाए। दुश्मन सीमापार हो सकते हैं। देश में हमारा कोई दुश्मन नहीं हो सकता।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति का परिवेश असहनीय हो रहा है। बेलगाम होकर वक्तव्य दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल जब राज्य में होता है, तो उस पर आसानी से वार किया जा सकता है। राज्य की सरकार यदि केंद्र की सरकार के अनुरूप नहीं है तो आरोप लगना बहुत आसान हो जाता है। समय के साथ बदलाव आया और उपराष्ट्रपति भी इसमें जुड़ गया और राष्ट्रपति को भी इस दायरे में ले लिया गया है। उन्होंने कहा, यह चिंतन, चिंता और दर्शन का विषय है। ऐसा मेरी दृष्टि में होना उचित नहीं है। श्री धनखड़ ने कहा कि प्रतिपक्ष का बहुत बड़ा योगदान रहता है और प्रतिपक्ष विरोधी पक्ष नहीं है। यह प्रजातंत्र में आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति हो, वाद-विवाद हो, संवाद हो। वैदिक तरीके से, जिसको अनंतवाद कहते हैं। अभिव्यक्ति बहुत महत्वपूर्ण है और प्रजातंत्र की जान है।

उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति कुंठित होती है या उस पर कोई प्रभाव डाला जाता है या अभिव्यक्ति इस स्तर पर पहुँच जाती है कि दूसरे के मत का कोई मतलब नहीं है, तो अभिव्यक्ति अपना अस्तित्व खो देती है। अभिव्यक्ति को सार्थक करने के लिए वाद-विवाद को जरूरी करार देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि दूसरे के मत को सुनना अभिव्यक्ति को ताकत देता है। सत्या, संतोष खोजने की अपील की। उन्होंने कहा कि उन्हें उन दवाओं के विकल्प भी तलाशने चाहिए जिनके दुष्प्रभाव न केवल जानवरों बल्कि मनुष्यों और पर्यावरण को भी प्रभावित करते हैं।

इस्पात उभरते भारत का आधार है :मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुनियादी ढांचे और रक्षा क्षेत्र से लेकर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तथा स्वच्छ ऊर्जा तक इस्पात को उभरते भारत का आधार बताया है और कहा है कि नीतिगत प्रोत्साहन तथा नवाचार से देश वैश्विक इस्पात क्षेत्र में अलग पहचान बना रहा है। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर केन्द्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी का एक लेख साझा करते हुए कहा कि इसमें बताया गया है कि नीतिगत प्रोत्साहन और नवाचार किस प्रकार से भारत को वैश्विक इस्पात क्षेत्र में अग्रणी बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा , बुनियादी ढांचे और रक्षा से लेकर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा तक, इस्पात उभरते भारत का आधार है। केंद्रीय मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी ने अपने लेख में बताया है कि कैसे नीतिगत प्रोत्साहन और नवाचार भारत को वैश्विक रूप से इस्पात क्षेत्र में अग्रणी बनाने की यात्रा को आकार दे रहे हैं।

तेलंगाना में रसायन फैक्ट्री में विस्फोट, छह की मौत, 20 घायल

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना में संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह एक केमिकल फैक्ट्री के रिएक्टर में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गयी और 20 अन्य घायल हुए हैं। इनमें से कुछ की हालत नाजुक है।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट सिगाची इंडस्ट्रीज में हुआ। विस्फोट के कारण फैक्ट्री के कुछ हिस्सों में भीषण आग लग गयी। आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। विस्फोट इतना जोरदार था कि कुछ कर्मचारी 100 मीटर दूर जाकर गिरे।

फैक्ट्री प्रबंधन ने बताया कि घटना के समय करीब 30 कर्मचारी ड्यूटी पर थे। इस घटना में पांच श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा। विस्फोट से फैक्ट्री के निर्माण और प्रशासनिक भवनों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। घायलों को इलाज के लिए तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने आशंका जतायी है कि घायलों की हालत को देखते हुए मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। विस्फोट के बाद फैले रासायनिक धुएं को देखते हुए पुलिस ने एहतियात के तौर पर आसपास के इलाकों को खाली करा दिया। संगारेड्डी कलेक्टर प्रवीण्या और पुलिस अधीक्षक परितोष घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्यों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा कोलकाता गैंगरेप का मामला, CBI जांच की उठाई गई मांग

एजेंसी

नई दिल्ली । कोलकाता गैंगरेप केस में सुप्रीम कोर्ट के वकील सत्यम सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। साथ ही, उन जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग की गई है, जो इस मामले को लेकर विवादित टिप्पणी कर रहे हैं। वकील सत्यम सिंह ने अपने पत्र में पीड़िता को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और उसके परिजनों को सुरक्षा देने की मांग की है।

इसके अलावा, शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक सुरक्षा उपाय, जिनमें अनिवार्य सीसीटीवी निगरानी, महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ और नियमित सुरक्षा ऑडिट शामिल हैं, की मांग की गई है। वहीं, वकील ने अपने पत्र में पश्चिम बंगाल में यौन अपराधों के खिलाफ कानूनों को मजबूत करने के लिए अपराजिता विधेयक को तुरंत लागू किए जाने की मांग की है।

याचिका में पश्चिम बंगाल में पेशेवरों, खासकर महिला वकीलों के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए सीबीआई जांच, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संस्थागत सुधारों की मांग की गई है। याचिका में पीड़िता के लिए

न्याय के साथ-साथ कानूनी बिरादरी की सुरक्षा और न्यायिक व्यवस्था की अखंडता सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। 25 जून को कोलकाता के लॉ कॉलेज में एक स्टूडेंट के साथ गैंगरेप किया गया था। इसमें तीन आरोपी शामिल थे। तीनों ही छात्र इसी कॉलेज के थे। इनमें इसमें एक आरोपी कॉलेज का पूर्व छात्र है, जो टीएमसी से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसे लेकर भाजपा टीएमसी पर हमलावर है। हालांकि, पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना को लेकर देशभर में आक्रोश है। सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस बीच, टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा ने इस सामूहिक दुष्कर्म मामले में विवादित टिप्पणी की है। कल्याण बनर्जी ने कहा था, अगर दोस्त ही दोस्त का रेप करे, तो क्या किया जा सकता है? क्या स्कूलों और कॉलेजों में हर जगह पुलिस तैनात की जा सकती है?÷ मदन मित्रा ने भी इस मामले में विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि अगर पीड़िता किसी को सूचित करती या दोस्तों को साथ ले जाती, तो यह टल सकता था। वहीं, इस संवेदनशील मामले में विवादित टिप्पणी करके मदन मित्रा मुश्किलों में घिर गए हैं। ममता बनर्जी ने उन्हें इस मामले में कारण बताओ नोटिस जारी करके तीन दिन में जवाब तलब किया है।

बिहार में 2003 की मतदाता सूची के 4.96 करोड़ मतदाताओं को सबूत देने की जरूरत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा के लिए वर्ष 2003 की मतदाता सूची को आधार बनाया है और उसमें शामिल 4.96 करोड़ मतदाताओं को समीक्षा के दौरान अपनी पहचान के सबूत के तौर पर कोई दस्तावेज जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

चुनाव आयोग ने सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची उसकी वेबसाइट पर अपलोड की गयी है जिसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं के विवरण शामिल हैं। आयोग ने कहा कि इस सूची के मतदाताओं को समीक्षा के दौरान कोई दस्तावेज नहीं देना होगा तथा इनके बच्चों को अपने

माता-पिता से संबंधित कोई दस्तावेज जमा कराने की भी जरूरत नहीं है। आयोग ने वहां इस वर्ष होने जा रहे राज्य विधान सभा चुनावों से पहले बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर भेज कर सूचियों की विशेष गहन समीक्षा कराने का अभियान शुरू किया है।

आयोग ने गत सप्ताह मंगलवार 24 जून के आयोग के निर्देशों के पैरा 5 में उल्लेख किया गया था कि सीईओ/डीईओ/ईआरओ 01.01.2003 की अर्हता तिथि वाली मतदाता सूची को सभी बीएलओ को हार्ड कॉपी में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराएंगे, साथ ही अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन भी उपलब्ध कराएंगे, ताकि कोई भी व्यक्ति इसे डाउनलोड कर सके और अपना गणना फॉर्म जमा करते समय दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में उपयोग कर सके। आयोग का कहना है,वर्ष 2003 की मतदाता सूची सामने होने से विशेष गहन पुनरीक्षण में काफी सुविधा होगी क्योंकि अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत को कोई दस्तावेज जमा नहीं करना होगा। उन्हें केवल नामावली में वर्ष 2003 की मतदाता सूची से अपने विवरण को सत्यापित करना होगा और भरा हुआ गणना फॉर्म जमा करना होगा।

मतदाता और बीएलओ दोनों ही इन विवरणों तक आसानी से पहुँच सकेंगे। आयोग के निर्देशों के अनुसार,कोई भी व्यक्ति जिसका नाम वर्ष 2003 की बिहार मतदाता सूची में नहीं है, वह अभी भी अपने माता या पिता के लिए कोई अन्य दस्तावेज प्रदान करने के बजाय वर्ष 2003 की मतदाता सूची के संबंधित हिस्से (अंश) का उपयोग कर सकता है।

अगर हिंदी थोपने के फैसले को वापस नहीं लेती सरकार तो 5 जुलाई को दिखती एकता : उद्धव ठाकरे

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार की त्रिभाषी नीति को वापस लिए जाने पर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे का बयान आया है। उन्होंने कहा कि अगर हिंदी थोपने वाला सरकारी आदेश वापस नहीं किया गया होता, तो 5 जुलाई की रैली में भाजपा, शिंदे गुट और अजित पवार गुट के लोग भी शामिल होते। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'रविवार को, 'जय महाराष्ट्र' का नारा हर जगह गूंज उठा। सभी दल जो दलीय मतभेदों को भूलकर शिवसेना के साथ आए। अगर हिंदी थोपने वाला आदेश वापस नहीं लिया गया होता, तो भाजपा, शिंदे गुट और अजीत पवार गुट के लोग भी 5 जुलाई की रैली में शामिल होते। मातृभाषा के प्रति प्रेम किसी भी पार्टी से ऊपर होना चाहिए। उन्होंने कहा, नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। सरकार को

इसका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। एक अर्थशास्त्री को शिक्षा समिति में रखा गया है। मैं इतना ही कहूंगा कि अब सरकार को हिंदी को जबरन थोपने के लिए कोई और कदम नहीं उठाना चाहिए।

पुरी भगदड़ पर मांझी इस्तीफा दें, घटना की हो न्यायिक जांच: कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा भगदड़ में श्रद्धालुओं के हताहत होने को अत्यंत गंभीर घटना बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा है कि घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि उलाका तथा पार्टी नेता अरविंदा दास ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में इसे राज्य की भाजपा सरकार के कुप्रबंधन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि इस पवित्र कार्यक्रम में वीआईपी पर ध्यान केंद्रित करने के कारण उससे जो चूक हुई है, उसके लिए भाजपा सरकार प्रभु जगन्नाथ से माफी मांगे और आश्वासन दे कि भविष्य में इस तरह की चूक नहीं होगी। सरकारी तंत्र सिर्फ वीआईपी की सेवा में नहीं रहेगा और प्रभु के आम भक्तों की सुरक्षा पर भी सतर्क रहेगा। उन्होंने भगदड़ की घटना के लिए मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री को जिम्मेदार बताते हुए इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि घटना में कितने लोगों की मृत्यु हुई। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपए की मदद करने करने और गंभीर रुप से घायलों को 25-25 लाख रुपए की सहायता देने की भी मांग की है। उन्होंने रथ यात्रा में कुप्रबंधन के कारण इस तरह की घटनाओं को शर्मनाक बताया और कहा कि यह सुनिश्चित होना चाहिए कि आगे से इस तरह की घटनाएं नहीं हों। उनका कहना था कि पिछले साल 'प्रभु बलभद्र' जी की मूर्ति भी गिरा दी गई थी। तब सरकार ने कहा था कि इस मामले की जांच की जाएगी लेकिन आज तक इसमें कुछ सामने नहीं आया है। असलियत यह है कि भाजपा सरकार ने रथ यात्रा को 'इवेंट मैनेजमेंट' में बदल दिया है जिसके कारण यह गंभीर चूक हुई है। घटना की जवाबदेही तय होनी चाहिए।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ओडिशा के बाहर से भी बड़ी संख्या में लोग इस क्षेत्र में आने लगे हैं और उन्हें वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सेंट्रल मोहर्रम कमिटी मुड़मा सुरसा मेशाल का मेला को लेकर बैठक

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - आज सोमवार को मांडर प्रखंड के मुड़मा इदगाह मस्जिद में सेंट्रल मोहर्रम कमिटी मुड़मा सुरसा मेशाल के तत्वावधान में मोहर्रम मेला को लेकर एक बैठक रखा गया। बैठक में मुड़मा मेला में जुलूस लेकर शामिल होने वाले 13 गांव के आखाड़ा धारी शामिल हुए। ज्ञात हो कि आगामी 06 जूलाई को यौमे आशूरा है और इस दिन मुड़मा मेला टांड़ में अस्त्र-शस्त्र चालन सह मेला का आयोजन होता है। बैठक का संचालन सेंट्रल मोहर्रम कमिटी के सदर शमसुल शेख और संरक्षक आबिद अंसारी के द्वारा किया गया। इसमें बहुत सारे बिन्दुओं पर चर्चा किया गया, जैसे नशापान करके जुलूस में शामिल नहीं होंगे, जिन गांवों को मेन रोड होकर मेला टांड़ आना होता है, उन्हें ट्रैफिक का पालन करना है। सभी आखाड़ा धारियों को निर्देश दिया गया है कि 2.30 बजे तक मेला स्थल पर पहुंच जाएं। बैठक में मुख्य रूप से शमीम अख्तर, मंसूर अंसारी,एकराम हुसैन,अजबुल अंसारी, जमील अंसारी, अबुजर अंसारी,नजमुल अंसारी, अख्तर अंसारी,मजीद अंसारी,सजाद अंसारी,,इसरोज अंसारी,हातिम अंसारी, ऐनुल अंसारी ,असलम अंसारी,मंसुर अंसारी, इब्राहिम अंसारी यासीन,हारिस अंसारी,जमाल अंसारी, अफरोज अंसारी और कुछ जिम्मेदार शामिल रहे।

हूल दिवस पर शहीद सिदो कान्हु की प्रतिमा पर विधायक ने किया माल्यार्पण

मंडरो:

हूल दिवस के अवसर पर बोरियों विधानसभा विधायक धनंजय सोरेन ने निमगाछी मिजाचौकी स्थित वीर शहीद सिदो कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद जेएमएम जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य सह प्रखंड सचिव संजय मिश्रा उर्फ बबलु मिश्रा समेत अन्य जेएमए सदस्यों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने उपस्थित झामुमो सदस्यों के साथ 2 मिनट का मौन रखकर बलिदानों को नमन किया इस अवसर पर विधायक धनंजय सोरेन ने कहा कि 1855 में सिदो कान्हु के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ हूल विद्रोह केवल एक आंदोलन नहीं था बल्कि वह स्वतंत्रता संग्राम का अग्रदूत था ।आदिवासी वीरों और वीरांगनाओं ने ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध संगठित होकर आत्म बलिदान का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। विधायक ने कहा यह विद्रोह हमें बताता है की स्वतंत्रता केवल राजनीतिक मांग नहीं थी बल्कि वह हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का स्वरूप भी थी। उन्होंने आगे कहा कि सिदो कान्हु चांद भैरव और फूल झानो जैसे अनगिनत शहीदों का बलिदान आज भी हमें प्रेरित करता है । जिनके संघर्ष से आजादी मिली ,उनके आदर्शों का पालन भी हमारा कर्तव्य है। मौके पर बाबू चंद सोरेन, राजेश राम, संटी मिश्रा, हीरा यादव, नैयर अंसारी, जेम्स किस्कू, सुबोध सोरेन, धीरज चौधरी समेत अन्य जेएमएम सदस्य मौजूद थे।

डीसी एसपी सहित जिले के वरीय पदाधिकारियों ने सिद्धो-कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ सिदो-कान्हू पार्क में हूल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीसी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार समेत अन्य पदाधिकारियों ने सिद्धो-कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया तथा सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव समेत हूल विद्रोह के सभी सेनानियों को नमन किया। डीसी मनीष कुमार ने कहा कि 30 जून 1855 को सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजो की गुलामी एवं शोषण से मुक्ति के लिए क्रांति का बिंगुल फूंका था। हूल विद्रोह जनजातीय समाज की अंग्रेजों के खिलाफ आजादी के लिए प्रथम जनक ांति थी। सिद्धो-कान्हू के आह्वान पर हजारों संथाल आदिवासी अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में शामिल हुये तथा अपने प्राणों की आहुति दी। हूल विद्रोह ने अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। उन्होंने कहा कि वीर शहीदों की कुबार्नी को कभी भूलाया नहीं जा सकता है।

मांडर, सड़क दुर्घटना में तीन घायल

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - थाना क्षेत्र में सोमवार को दो अलग अलग सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल घायल हो गये. घायलों में ऑटो चालक चान्हो निवासी अब्दुल रशीद 24 वर्ष व ऑटो पर सवार मसमानो के विनोद उरांव 20 वर्ष एवं टांगर का चंपा उरांव 19 वर्ष शामिल हैं. चंपा उरांव को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है. पहली घटना एनएच 75 में टांगरबसली मोड़ के निकट सुबह करीब दस बजे की है. जहां रांची से चान्हो की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार टर्बो ट्रक ने सवारी के इंतजार में खड़े एक ऑटो को पीछे से ठोकर मार दिया. जिससे ऑटो चालक अब्दुल रशीद व उसमें सवार विनोद उरांव घायल हो गये. ट्रक की ठोकर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो आगे बढ़ गयी. औऱ उसकी टक्कर से सड़क किनारे खड़े तीन बाइक क्षतिग्रस्त हो गये. बताया गया कि ईंट लदे टर्बो ट्रक का चालक का नशे में धुत था. गनीमत थी कि सुबह का समय होने के कारण टांगर बसली मोड़ में लोगों की भीड़ नहीं थी अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था. दूसरा हादसा मांडर कालेज गेट के समीप हुआ. जहां दिन के करीब 12 बजे बाइक से बीजुपाड़ा की ओर जा रहा चंपा उरांव सड़क किनारे खड़े डाला टेम्पो से टकराकर खुद ही सड़क पर गिरकर घायल हो गया!

कांग्रेस कमेटी की ओर से जिला कार्यालय में हूल दिवस मनाया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

1855 में संथल में सिद्धू कानो के नेतृत्व में अंग्रेजो हुकूमत एवं जमींदारी प्रथा के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह एवं हजारों संथालों के बलिदान को याद करते हुए देवघर जिला कांग्रेस कमिटी के द्वारा कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश के नेतृत्व में हूल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान वीर सिद्धू कानों के तस्वीर पर सभी कांग्रेस जनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद करते हुए नमन किया। साथ ही चांद,भैरव तथा फूलों,झानों के साथ तमाम सभी शहीदों को नमन किया। जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय ने कहा कि संथाल अपनी संस्कृति,जमीन और अधिकारों की रक्षा करनेके साथ ब्रिटिश शासन के खिलाफ आज के ही दिन हजारों आदिवासियों ने संगठित और सशस्त्र आंदोलन कर अपनी कुबार्नी दी थी। उन सभी वीर एवं वीरांगनाओं की अमर बलिदानी गाथा हमें गौरवान्वित करता है। उनकी कुबार्नी को शत-शत नमन। कार्यक्रम में प्रदेश प्रवक्ता राजेंद्र दास,जिला महासचिव -सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल, नगर अध्यक्ष रवि केसरी,युवा जिलाध्यक्ष कुमार राज,सोसल मीडिया प्रभारी अमित पांडेय, जिला पदाधिकारी मकसूद आलम,गणेश दास, राकेश उर्फ गोपाल केशरी एन एस यू आइ के रवि बर्मा,शैफ दानिश, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष मो बैलालुद्दीन अंसारी आदि मौजूद थे। *नगर कांग्रेस कमिटी देवघर के पदाधिकारियों की दी गई नियुक्ति पत्र जिला कांग्रेस कार्यालय देवघर में देवघर नगर कांग्रेस कमिटी के गठन पश्चात नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण के लिए एक समारोह नगर अध्यक्ष रवि केसरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम में बतौर अतिथि जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय ने भाग लिया। समारोह में शुभकामनाऐं देते हुए मुख्य अतिथियों के हाथों नगर पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। देवघर नगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रवि केशरी के साथ नवनियुक्त पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष वारिश अंसारी, कुमार बाबा,महासचिव अजय कृष्ण भारती,राकेश जायसवाल,अंकूर केशरी,चंदन यादव,अनिल केशरी,अंकुश भारद्वाज,रवि सिंह, मिथिलेश तुरी तथा मुकेश कुमार हांसदा को नियुक्ति पत्र देते हुए कहा कहा आप सभी पुरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वह्न करते हुए संगठन को काफी सशक्त बनाऐंगें और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा जननायक राहुल गांधी जी के हाथों को मजबूत करेंगें।

जनहित पार्टी का बांग्लादेशी घुस पैठियों को भगाओ देश बचाओ का अभियान का समापन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

संथाल परगना में 8 जून से चल रहे जनहित पार्टी का बांग्लादेशी घुसपैठियों भगाओ देश बचाओ अभियान का समापन आज वीर सिद्धू कानू जी के बलिदान दिवस पर 30 जून स्थानीय वीर कुंवर सिंह चौक पर जनहित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय जैन महामंत्री मनीष कल राम किशोर सिंह पंकज जी शैलेश सिंह विशालविंदर रमाकांत गुड्डू आलोक ललन पांडे विजय पांडे रमेश भालोटी या उत्तम झा दीपक अमरेश चौधरी सहित कई गण्यमन लोगों द्वारा भारत माता तथा वीर सिद्धू कानू के चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि कर किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों द्वारा देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

भारथी बी॰एड॰ कॉलेज का कद बढ़ा, नैक एन॰ए॰ए॰सी॰ से मिला बी प्लस प्लस ग्रेड

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर प्रखंड के कंदरी स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन (बी.एड. कॉलेज) को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायेन परिषद (नैक) द्वारा बी प्लस प्लस ग्रेड प्रदान किया गया। इस उपलब्धि के साथ-साथ एक और उपलब्धि जुड़ी हुई है कि महाविद्यालय को नैक द्वारा 2.96 स्कोर दिया गया जो सभी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में झारखंड और बिहार में सर्वोच्च स्कोर है। इससे कॉलेज प्रबंधन के साथ-साथ शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों के हर्ष का महौल कायम हो गया है। इसी माह 19 एवं 20 जून को दो दिवसीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन का कार्य नैक पीयर टीम द्वारा किया गया, जिसके अंतर्गत भौतिक व मानवीय संसाधनों का वर्च्यूअल मोड मे अवलोकन गहनतापूर्वक किया गया। नैक द्वारा विगत पाँच वर्षों का गुणवतापूर्ण स्तर, राज्य व राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों का मूल्यांकन किया गया। नैक द्वारा सात मापदंडों का विधिवत व महत्वपूर्ण जाँच करने में प्राचार्य डॉ॰ दिपाली पराशर, कॉलेज के आई॰क्यू॰ए॰सी॰ को-ऑर्डिनेटर मनोज कुमार गुप्ता व सभी शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। महाविद्यालय के सचिव श्री नितिन पराशर ने कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण में गुणवतापूर्ण सुधार लाने के लिए नैक विजिट का बड़ा योगदान है, इससे शिक्षण संस्थान को आत्ममूल्यांकन करने तथा बेहतर बनाने का अवसर भी प्राप्त होता है। इस ग्रामीण परिवेश में अवस्थित कॉलेज व इसके छात्रों के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कॉलेज की प्राचार्या, आइ॰क्यू॰ए॰सी॰ को-ऑर्डिनेटर, सभी प्राध्यापक के साथ-साथ कर्मचारी से अनुरोध किया कि हम सभी ने सफलता के शिखर की ओर जाने की पहली सीढ़ी प्राप्त किया है, हमे अंतिम क्षण तक प्रयास करना है, और इससे अच्छा ग्रेड प्राप्त करने की ओर बढ़ना है। कॉलेज की प्राचार्या डॉ॰ दिपाली पराशर ने प्रबंधन समिति व आइ॰क्यू॰ए॰सी॰ को-ऑर्डिनेटर सहित अन्य संबंधित समिति के को-ऑर्डिनेटर आदि के प्रति हर्ष व्यक्त किया और कहा कि आप सभी के सामूहिक प्रयास, लगन एवं मेहनत से कॉलेज को नैक से ग्रेडिगं संभव हो पाया है। साथ ही यह भी कहा कि ये सफलता महाविद्यालय की गुणवता, कार्यसंस्कृति और शिक्षण पद्वति को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दिलाने वाली है। महाविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्राथमिकता दे रहा है और विद्यार्थियों के वैल्यू एडेड स्किल एनहांसमेट कोर्सेस भी चला रहा है, जिससे विद्यार्थियों को काफी लाभ मिलेगा आई॰क्यू॰ए॰सी॰ को-ऑर्डिनेटर मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि महाविद्यालय में कोर्स के अलावा वैल्यू एडेड कोर्स, सेल्फ, स्टडी कोर्स, स्किल डेवलपमेंट कोर्स साथ-साथ चलते है ताकि विद्यार्थी बहुस्पर्धी माहौल में भी अपने आप को खड़ा कर सके। साथ ही महाविद्यालय में मनोविज्ञान प्रयोगशाला, आई॰सी॰टी॰ प्रयोगशाला, विज्ञान प्रयोगशाला सभी सुचारू रूप से संचालित हो रहे है। यही कारण है कि नैक के मूल्यांकन में महाविद्यालय नें शैक्षणिक उत्कृष्टता अर्जित की है। साथ ही महाविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की ओर अग्रसर होते हुए राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में भी अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है।

सेवा सदन अस्पताल के समीप आदित्य ठाकुर पर हमला, हेलमेट और बेल्ट से पिटाई, आरोपी अब भी फरार

रांची-

रविवार की शाम रांची में एक और चौंकाने वाली वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर के व्यस्त क्षेत्र सेवा सदन अस्पताल के समीप पांच युवकों ने एक युवक पर न केवल बेरहमी से हमला किया, बल्कि उसे अधमरा कर छोड़ कर फरार हो गए। घटना शाम करीब 8:00 बजे की है, जब लातेहार जिला अंतर्गत चंदवा निवासी आदित्य राज ठाकुर, जो पहाड़ी मंदिर के समीप एक किराए के मकान में रहकर कार्यरत हैं, अपनी पल्सर बाइक से काम करके घर लौट रहे थे। पीड़ित आदित्य ठाकुर ने कोतवाली थाना को दिए अपने बयान में बताया कि जैसे ही वह सेवा सदन अस्पताल के पास पहुंचा, एक स्विफ्ट डिजायर कार (गाड़ी संख्या खल01इड4782) ने आकर उसकी बाइक से टक्कर की स्थिति बना दी। जब आदित्य ने आपत्ति जताते हुए कहा कि वह गिर सकता था, तो कार में सवार पांच युवकों ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। गवाहों के अनुसार, हमलावर युवकों में से एक ने आदित्य के सिर पर हेलमेट से वार किया, वहीं दूसरा युवक बेल्ट से मारने लगा। तीन अन्य युवक उसे पकड़ कर पीटते रहे। आदित्य उस समय अकेले थे और हमलावरों की संख्या पांच थी, जिससे वह कोई प्रतिरोध नहीं कर पाए। उन्होंने यह भी बताया कि सभी हमलावर शराब के नशे में थे। किसी तरह जान बचाकर आदित्य वहां से निकले और कोतवाली थाना में घटना की सूचना दी। थाना की पेट्रोलिंग गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी पास के ब्लड बैंक में छुप चुके थे। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, पुलिस की मौजूदगी के बावजूद पांचों युवक वहां से भागने में सफल हो गए। आदित्य को तत्काल उनके रिश्तेदारों द्वारा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके सिर, मुंह और शरीर पर गंभीर चोट की पुष्टि की। चिकित्सकों के अनुसार हमले में गहरे आघात लगे हैं। इस पूरे हमले से संबंधित प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, परंतु घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। शहर के नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने इस घटना को लेकर पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है। चश्मदीदों के अनुसार आरोपी ब्लड बैंक के पास छुपे थे, परंतु पुलिस उन्हें पकड़ने में असफल रही। यह प्रश्न अनिवार्य हो गया है कि यदि व्यस्त सड़क पर, सार्वजनिक स्थल के पास एक आम नागरिक के साथ इस तरह का हमला हो सकता है, तो आमजन की सुरक्षा किसके भरोसे है? वहीं घायल आदित्य ठाकुर ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि हमलावरों की पहचान गाड़ी संख्या के माध्यम से की जा सकती है, फिर भी गिरफ्तारी न होना पुलिस की गंभीर लापरवाही का प्रमाण है। उन्होंने मुख्यमंत्री और पुलिस अधीक्षक से भी न्याय की गुहार लगाई है। समाचार लिखे जाने तक घटना से जुड़े पांचों आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी। कोतवाली पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं, शहरवासियों को यह आशंका है कि प्रभावशाली लोगों के दबाव में कहीं यह मामला दबा न दिया जाए।

भोगनाडीह में हूल दिवस के अवसर पर हुआ विवाद, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

साहिबगंज:

भोगनाडीह में सोमवार को भीड़ पर नियंत्रण करने के लिए पुलिस को लाठी चार्ज करनी पड़ी। साथ ही आंसू गैस के गोले भी दागे गए। वही इस झड़प में दूसरे पक्ष से चलाए गए तीर लगने से तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। तीनों पुलिस कर्मियों का इलाज बरहेट स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमर शहीद की जन्मस्थली भोगनाडीह में हूल दिवस पर सिदो कान्हु मुर्मू हूल फाउंडेशन व आतु माझी वैसी संगठन को कार्यक्रम करने का अनुमति देने की मांग करते हुए बीते शुक्रवार से ही वहां वंशज परिवार के मंडल मुर्मू के नेतृत्व में परंपरागत हथियारों से लैस होकर आदिवासियों का जत्था विरोध प्रदर्शन कर रहे थे । उन्होंने सिदो कान्हु स्मृति पार्क में भी ताला जड़ दिया था इस पार्क में अमर शहीदों की प्रतिमा स्थापित है। वंशज परिवार के मंडल मुर्मू का साफ कहना था कि जब तक उसके संगठन को प्रशासन भोगनाडीह में कार्यक्रम की अनुमति नहीं देगा पार्क में किसी मंत्री या सरकारी पदाधिकारी को माल्यार्पण करने नहीं दिया जाएगा। हालांकि आम लोगों को माल्यार्पण के लिए पार्क में जाने की अनुमति दी जाएगी। प्रशासन सुरक्षा कारणों का हवाला देकर वहां से दूर हटकर कार्यक्रम की अनुमति देने पर अड़ा था। इधर हूल दिवस कार्यक्रम के मध्यनजर पार्क के मेंन गेट पर जड़ा ताला खुलवाने को लेकर पुलिस प्रशासन व प्रशासनिक पदाधिकारी के साथ मंडल मुर्मू के समर्थक कार्यकताओं का विवाद हो गया। पुलिस का आरोप है कि इसी क्रम में भीड़ से किसी ने पुलिस को टारगेट कर तीर चला दिया। जिससे तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए ।उसके बाद भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठी चार्ज करनी पड़ी और आंसू गैस के गोली दागने पड़े। पार्क का ताला खुल जाने के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

गाँव में गूंजा महिला अधिकारों का स्वर किरण को मिला ससुराल में न्यायपूर्ण प्रवेश

केरेडारी संवाददाता - रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केमो गाँव में महिला मंडल और जिला परिषद सदस्य अनिता सिंह की पहल से किरण कुमारी को न्याय मिला। अधिवक्ता अमित ठाकुर(अधिवक्ता) की पत्नी किरण, वैवाहिक विवाद के चलते मायके चली गई थीं। 11 जून 2025 को जब वह ससुराल लौटीं, तो घर में ताला बंद था और परिजन गायब।स्थानीय थाना में सुलह की कोशिश नाकाम रही। पति ने साथ रहने से इनकार कर दिया। तब महिला मंडल और अनिता सिंह ने मोर्चा संभाला और सामूहिक सहयोग से ताला खोलकर किरण को घर में सम्मानपूर्वक प्रवेश दिलाया।गाँव की महिलाओं ने एकजुटता दिखाते हुए किरण का साथ दिया। यह घटना महिला अधिकारों और ग्रामीण चेतना की एक प्रेरक मिसाल बनी।

डीसी व एसपी ने सिद्धो कान्हू मुर्मू पार्क का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ सोमवार को डीसी मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी एवं उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने सिद्धो कान्हू मुर्मू पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पार्क में आने वाले लोगों का ध्यान रखते हुए समय-समय पर उसे अपडेट करते रहे ताकि लोगों को पार्क में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा उन्होंने बरसात के मौसम को देखते हुए पार्क के साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने पार्क के निरीक्षण के दौरान बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाए गए साधनों का भी निरीक्षण किया। खराब पड़े झुले एवं लाईट को दुरुस्त करने का निर्देश जिला पर्यटन पदाधिकारी राहुल कुमार को दिया। जिला पर्यटन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सिदो-कान्हू पार्क एवं मार्टिलो टावर में आवश्यक विकास संबंधित प्रस्ताव आगामी जिला पर्यटन संवर्धन परिषद की बैठक में प्रस्ताव बनाकर लाने को कहा ताकि योजनाओं का चयन किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि वर्तमान में सिदो-कान्हू पार्क एवं मार्टिलो टावर पर्यटन विभाग द्वारा सी श्रेणी के पर्यटक स्थल में अधिसूचित है। जिसे अपग्रेड कर बी श्रेणी में अधिसूचित कराने हेतु प्रस्ताव बनाकर पर्यटन विभाग को भेजने का निर्देश जिला पर्यटन पदाधिकारी को दिया गया। इसके अलावा उपायुक्त ने सिद्धो कान्हू मुर्मू पार्क में बनाए गए कला संग्रहालय का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

रांची -लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर की ओर से एक जुलाई को पौधा/वृक्षा रोपण,

दिव्य दिनकर संवाददाता

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस एवं राष्ट्रीय चार्टर्ड अकाउंटेंट डे सी.ए.डे धूमधाम से मनाई जाएगी।क्लब के अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने कहा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण की संरक्षण एवं चिकित्सा एवं सी.ए.के क्षेत्र मे उत्कृष्ट सेवा कार्य करने वाले हुनेरवाज एवं समाजसेवियों को प्रोत्साहित करना।वहीं क्लब के पी.आर.ओ. शिव किशोर शर्मा ने कहा उक्त कार्यक्रम का आयोजन रिंग रोड सिमलिया स्थित ट्यूलिप हॉस्पिटल (निकट एम.एस.धौनी आवास,सिमलिया)मे 02 ढे संध्या मे किया जाएगा।उक्त अवसर पर क्लब के सभी लायन मौजूद रहेगें।यह जानकारी क्लब के पी.आर.ओ.लायन शिव किशोर शर्मा ने दी है।

सदर अस्पताल में कार्यरत मृत्युंजय पांडे का विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

सदर अस्पताल देवघर में कार्यरत मृत्युंजय पांडेय जी का विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन सदर अस्पताल देवघर के सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी, उपाधीक्षक डॉक्टर प्रभात रंजन, प्रशासनिक प्रभारी डॉक्टर शरद कुमार, डॉक्टर रवि रंजन, डॉक्टर रवि कुमार डॉक्टर ए के दा,डॉक्टर रोहन मुकुल डॉक्टर निवेदिता, डाक्टर नताशा सहित झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र, संयुक्त सचिव संजीव मिश्र,अस्पताल प्रबंधक एनिमेस घोष ,विजय सिंह, रीना कुमारी कर्मचारी अरुणा नंद झा, सौमित चक्रवर्ती,कार्तिक ठाकुर, मीना पांडेय, रानी रीतम सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद थे. सिविल सर्जन ने बुके देकर सम्मानित किया और इनके बारे में बताया. उपाधीक्षक महोदय ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. संघ के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि मृत्युंजय पांडेय ने अनुसेवक के पद पर 38 वर्ष कार्यरत रहे जिसमें करीब अठारह वर्ष इंजुरी के संचिका का संधारण किया जो सीधे न्यायालय से जुड़ा होता है लेकिन आज तक कभी कोई आरोप या कारवाई का सामना नहीं करना पड़ा और न ही इतने लंबे सेवा काल में कभी अनुपस्थित हुए,यानि लंबे समय काजल की कोठरी में लंबे समय रहकर बेदाग निकले. चिकित्सक भी इंजूरी लिखने में इनसे सलाह लेते हैं.

भाकपा माले ने जमुनिया गांव में मनाया हूल दिवस

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

हूल दिवस के अवसर पर मोहनपुर प्रखण्ड के जमुनिया गांव में भाकपा माले प्रखण्ड सचिव कामरेड अशोक महतो के नेतृत्व में हूल दिवस मनाया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाकपा माले केंद्रीय कमिटी सदस्य कामरेड गीता मंडल उपस्थित थे यूकार्यक्रम को संबोधित करते हुए गीता मंडल ने कहा कि सिद्धू कानू ने जिस तरह से अंग्रेजों को भगाने में अपनी जान का प्रवाह किए बिना 30 जून 1855 को क्रांति का बिगुल फूंका था ठीक उसी तरह हमलोग शपथ लेते हैं जो सरकार मजदूर विरोधी चार श्रम कोड लाया है,महिला विरोधी काम कर रहे हैं वैसे सरकार को सत्ता से बाहर निकालने का काम करेंगे उसके लिए 9 जुलाई को एक्टू के बैनर तले देवघर टावर चौक पर दो घंटे तक जाम करेंगे और सभी साथियों से अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग पहुंचे और कार्यक्रम को सफल करे कार्यक्रम में उपस्थित भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य कामरेड जयदेव सिंह,शाम शंभू तुरी, अनिल सिंह, चिन्ता देवी,जीतू तुरी,सोनू भारती,विजय तांती,सुरेश सिंह,ललित राय,विजय तुरी,मुकेश सिंह,मनोज तुरी,राम सिंह,मुन्नी देवी, लालों देवी,अनीता देवी,कुसुम देवी,सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

जसीडीह के बदलाडीह में मनाया गया हूल दिवस

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-हूल दिवस के मौके पर जसीडीह के बदलाडीह में हुल बेसी समिति ने सिद्धू कानू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अमर शहीद वीर सिद्धू कानू के जीवनी को याद किया गया। इस दरमियान जेएमएम नेता सरोज सिंह,सीता हासदा,सोमरा मुर्मू,सकोदी हेंब्रम सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।मौके पर जेएमएम नेता सरोज सिंह ने हूल दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिधु कान्हू सहित चार भाइयों ने अंग्रेजों के विरुद्ध बड़ी आंदोलन की विगुल फूंकी थी। 1793 की अस्थाई भूमि कानून के अनुसार जमीन जमींदारों की हो गई थी।आदिवासी भाइयों ने कड़े परिश्रम से जंगलों को काट कर भूमि कृषि योग बनाई थी।जमींदारों ने इस भूमि के स्वामित्व का दावा किया।साहूकारों ने ब्याज प्रथा आरंभ कर दिया।इसी का परिणाम चार भाइयों सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव के नेतृत्व में 30 जून 1855 को भोगनाडीह में लगभग 400 आदिवासी गांव के 10,000 आदिवासी जमा हुए और हूल (क्रांति) का अगाज हुआ।इस दौरान मुख्यरूप से सरोज सिंह,नंदकिशोर दास सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

वीर शहीद सिद्धों कान्हु को नमन कर कांग्रेस ने मनाया हूल क्रांति दिवस

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारि एवं दर्जनों कार्यकर्ताओ ने सोमवार को सिद्धो-कान्हू पार्क पहुंचकर वीर शहीद सिद्धों कान्हो की अदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की। नमन करते हुए जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार ने कार्यकर्ताओ को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा की 1857 का सिपाही विद्रोह वस्तुतः राष्ट्रीय स्तर पर अंग्रेजी शासन के विरूद्ध स्वतंत्रता की पहली लड़ाई मानी जाती है परंतु इसके पूर्व संथाल विद्रोह हुआ था कार्ल मार्क्स ने इस विद्रोह को ह्यभारत का प्रथम जनक्रांतिह्न कहा था। श्री सरकार ने कहा अंग्रेजी हुकूमत की जड़ हिलाने वाले एवं स्वदेशी महाजन जमींदारी प्रथा को उखाड़ फेंकने वाले आपने शौर्य के बल पर पारंपरिक हथियारों से विदेशी हथियारों का सामना करने वाले महान क्रांतिकारी वीर शहीद आदिवासियों की संघर्ष गाथा है।जो सिद्धों कान्हो की याद में हुल क्रांति दिवस के रूप में मनाया जाता है जिसे संथाल विद्रोह के नाम से भी जाना जाता है। वही सिद्धों कान्हो नेरअबुआ राज अबु दिशोमरकरो या मरो अंग्रेजो हमारी माटी छोड़ो का नारा दिया। जिसमें संथाल तीर-धनुष से लेस अंग्रेजो पर टुट पड़े थे।जिसमे कई हत्याएं हुई इससे अंग्रेजो में भय का माहौल बन गया।जिससे बचने के लिए पाकुड़ में मार्टिलो टावर का निर्माण कराया गया था जो आज भी पाकुड़ में स्थित है।आधुनिक हथियारो व गोला बारूद के बल पर अंग्रेजो ने इस मुठभेड़ में विजय तो प्राप्त कर ली परंतु इस विद्रोह ने अंग्रजी हुकूमत की जड़ हिला दी। जिसके फलस्वरूप आज भी महान क्रांतिकारी वीर शहीद के रूप में सभी के दिलो में विराजित है। इसी कारण झारखंड में हुल दिवस महत्वपूर्ण समारोह को रूप में मनाया जाता है जो आज भी हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। मौके पर पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मंशारुल हक,विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद,कोषाध्यक्ष अशद हुसैन,अल्पसंख्यक अध्यक्ष शाहीन परवेज,जिला महासचिव कृष्णा यादव,रामविलास महतो, नगर अध्यक्ष वंशराज गोप,सफीक अहमद, अहेदिन शेख, मीरजहन शेख, मानिक हसदा,जहरुल शेख,नजरुल शेख,मिथुन मरांडी,लाखफोर शेख,मो०बबलू,हंसनुज जमाद,तैमूर आलम सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुहर्रम को लेकर चौपारण थाना में शांति समिति की बैठक सम्पन्न, सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील

प्रशासन ने दिए दिशा-निर्देश,सोशल मीडिया पर भी रहेगी कड़ी निगरानी

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर चौपारण थाना परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अंचलाधिकारी संजय कुमार यादव और थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने संयुक्त रूप से की, जबकि संचालन पूर्व शिक्षक शम्भुनारायण सिंह ने किया।बैठक में विभिन्न समुदायों के गणमान्य नागरिक,जनप्रतिनिधि और शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे। अंचलाधिकारी ने सभी से आपसी सौहार्द और सहयोग से पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी लाइसेंसधारी ताजिया जुलूसों को प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्ग से ही निकालें,और समय का भी विशेष ध्यान रखें।थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और किसी भी तरह की अफवाह या अशांति फैलाने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो या मैसेज फैलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।अंत में सभी से मिलजुल कर मुहर्रम जैसे पवित्र पर्व को शांतिपूर्ण और गरिमामय ढंग से मनाने की अपील की गई।मौके पर मुखिया जानकी यादव,मुखिया प्रतिनिधि हेलाल अख्तर,बिनोद सिंह,झामुमो पूर्व जिला उपाध्यक्ष बिरेन्द्र राणा,पसंस प्रतिनिधि टुन्नू बर्नवाल, पूर्व मुखिया सफालउद्दीन,लडन खान सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

रामपुर में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना,अज्ञात चोरों ने लाखों की चोरी को दिया अंजाम

सोने-चांदी के आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित करीब ढाई लाख की चोरी

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

प्रखंड के रामपुर पंचायत अंतर्गत महादेव टांड़ गांव में रविवार रात अज्ञात चोरों ने एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने गांव के निवासी मनोज कुमार दिवाकर के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के सामान पर हाथ साफ कर दिया।घटना के समय पीड़ित मनोज कुमार दिवाकर अपने परिवार के साथ तिलैया स्थित अपने दूसरे घर में गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने सुनसान घर का फायदा उठाते हुए मुख्य द्वार और गोदरेज का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और घर में रखे एक सोने की अंगूठी,एक सोने की चेन,एक जोड़ी पायल,म्यूजिक सिस्टम,मोबाइल चार्जर सहित लगभग दो से ढाई लाख रुपये मूल्य के सामान चोरी कर लिए।घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने चौपारण थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।पीड़ित मनोज दिवाकर आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मल्टी पर्पज वर्कर (MPW) के रूप में कार्यरत हैं,जबकि उनकी पत्नी हाई स्कूल रामपुर में शिक्षिका हैं।पीड़ित ने पुलिस से शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि चोरी में शामिल अपराधियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा तथा चोरी गया सामान बरामद किया जाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चार-चार माह से वेतन नहीं, जान जोखिम में डाल काम कर रहे हैं रहे कर्मी

आउटसोर्सिंग कर्मियों की उपेक्षा बर्दास्त नहीं की जाएगी : अजय राय

गिरिडीह।

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने गिरिडीह विद्युत आपूर्ति क्षेत्र में कार्यरत आउटसोर्स एजेंसियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान कार्यकाल में पूरे सप्लाई एरिया बोर्ड के अंतर्गत कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। श्री राय ने बताया कि नॉर्थ डिविजन में आउटसोर्स कर्मियों को चार-चार माह से मेहनताना नहीं मिला है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन लोगों के दम पर राज्य की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही है, उन्हें ही समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। इससे न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है, बल्कि मानसिक तनाव भी बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बिना अवधि विस्तार के कई विद्युतकर्मी जान हथेली पर रखकर कार्य कर रहे हैं, जबकि विभाग उनकी इस गंभीर स्थिति पर पूरी तरह से मौन है। अजय राय ने चेतावनी दी कि यदि इसी प्रकार से आउटसोर्स कर्मियों के साथ अन्याय होता रहा और उन्हें समय पर वेतन तथा सेवा सुरक्षा नहीं मिली, तो संघ को बाध्य होकर आंदोलनात्मक रास्ता अपनाना पड़ेगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर आउटसोर्स कर्मियों को उनका बकाया वेतन दिलाने, कार्य अवधि का नवीनीकरण सुनिश्चित करने एवं सुरक्षा मानकों के पालन की स्पष्ट व्यवस्था करने की मांग की है। श्री राय ने स्पष्ट शब्दों में कहा अगर किसी विद्युतकर्मी के साथ कोई दुर्घटना घटती है, तो उसकी जवाबदेही कौन लेगा, यह आज तक तय नहीं हो सका है। इससे बड़ा विभागीय संवेदनहीनता का उदाहरण और क्या होगा?

झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने मनाया हूल दिवस

अन्याय और गलत के विरोध में आंदोलन ही एक रास्ता-संजय शर्मा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-मोहनपुर प्रखंड में हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव,फूलो-झानो और अन्य वीर शहीदों तथा वीरांगनाओं के संघर्ष और शहादत को याद करते हुए झाखण्ड मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारियों ने हूल दिवस मनाया।इस दौरान मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा,युवा मोर्चा अध्यक्ष राहुल चन्द्रवंशी,ओबीसी मोर्चा के नेता नंद किशोर दास,श्यामाकांत झा,प्रदीप चौधरी सहित कई लोग उपस्थित हुए थे।मौके पर उपस्थित नेताओं ने सिधु कान्हू की आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।मौके पर संजय शर्मा ने कहा कि हमारे शहीद चार भाइयों सिद्धू,कान्हू, चांद और भैरव के नेतृत्व में 30 जून 1855 को भोगनाडीह में लगभग 400 आदिवासी गांव के 10,000 आदिवासी जमा हुए और हूल (क्रांति) का अगाज हुआ। चारों भाइयों ने घोषणा कर दी कि यह देश को अपने अधिकार में ले लेंगे तथा अपनी सरकार स्थापित कर देंगे।रेल व्यवस्था भंग कर दी।कंपनी राज्य को खत्म कर दिया।महाजनी प्रथा के चुंगल से दबे कुचले आदिवासी सहित अन्य समाज के लोगों को इससे मुक्ति दी।आज हम सभी को संकल्प लेने की जरूरत है हर गलत के विरोध में आंदोलन ही एक रास्ता है।आजादी की लड़ाई से पहले संथाल में हूल विद्रोह के हमारे वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत और महाजनों के शोषण और अत्याचार के खिलाफ तथा जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी अस्मिता की मशाल जलाई थी। हमारे वीर पुरुखों की यही सीख हमें हमेशा न्याय और स्वाभिमान के लिए प्रेरित करते रहेंगी।इस दौरान मौके पर सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

सत्र 2025-27 के लिए संप चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, देवघर की कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, देवघर की 2025ह्न27 सत्र के लिए नव-निर्वाचित कार्यकारिणी समिति का गठन 29 जून की देर रात सम्पन्न मतदान प्रक्रिया के बाद कर लिया गया है।

निर्वाचन समिति के अध्यक्ष विभूति ठाकुर एवं सह-अध्यक्ष बजरंग बथवाल और डॉ. आलोक कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में सम्पन्न चुनाव प्रक्रिया के पश्चात समिति के सभी पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा की गई।

नवनिर्वाचित पदाधिकारी इस प्रकार हैं:

अध्यक्ष ((President): गोपाल कृष्ण शर्मा महासचिव (Secretary): निरंजन कुमार सिंह उपाध्यक्ष (Vice President): जितेश राजपाल संजय कुमार बंका पीयूष जायसवाल संयुक्त सचिव (Joint Secretary): पंकज कुमार भलोटिया कोषाध्यक्ष ((Treasurer): सर्वेश कुमार मोदी कार्यकारिणी सदस्य (Executive Members): पंकज कुमार सुल्तानिया लक्ष्मण भाई पटेल विवेक अग्रवाल ध्रुव केजरीवाल नितेश बथवाल कनिष्क कश्यप आलोक ऋषिराज कुमार सिंह निर्वाचन समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, पारदर्शी और निष्पक्ष माहौल में पूरी की गई। समिति ने सभी सदस्यों और उम्मीदवारों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की और चेंबर को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दिखाई। संप चेंबर के नए अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा ने कहा कि नई टीम मिलकर व्यापारिक समुदाय के हितों के लिए संगठन को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाएगी।

समाज उसी को पूछता है, जो अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए जीता है : लक्ष्मी सिन्हा

दिव्य दिनकर

बिहार पटनाः भारतीय दर्शन का एक मंत्र है-'सादा जीवन उच्च विचार।'देखने-सुनने में यह बड़ा सरल लगता है, लेकिन उतना ही कठिन है। यह बातें एक कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा कहां आगे उन्होंने कहा कि जीवन में अधिकांश बुराइयां इस मंत्र की अवहेलना से उत्पन्न होती है। सादगी और सात्विकता एक दूसरे के पूरक है। जिसमें सादगी का गुण होता है, वह असात्विक कभी हो नहीं सकता। हमारे यहां हमेशा इस बात पर जोर दिया गया है कि मनुष्य हर तरह से शुद्ध रहे। संयमित जीवन जिए। ताप एवं साधना से अपने जीवन को निखारे। कठोर साधना से आत्मा परमात्मा बन सकता है। गुणी मनुष्य सार को ग्रहण करते हैं, छाया को छोड़ देते हैं। जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं होता, वही समाज में आदर के योग्य बनता है। इसी से कहा जाता है-गुण की सर्वत्र पूजा होती है। आगे श्रीमती सिन्हा ने कहा कि आज संसार में मानव मूल्यों का निरंतर ह्रास हो रहा है। भौतिक मूल्य चारों ओर छा गए हैं। यही वजह है कि नान प्रकार की विकृतियों से मानव, समाज और राष्ट्र परेशान है। आज की हिंसा, युद्ध एवं आतंक की समस्या का मूल करण परिग्रह है। मनुष्य अपने से, अपने लोगों और प्रकृति से कट रहा है। उसका एकता को रहा है और सामाजिकता से भी कहीं गुम होती जा रही है। आज मानव ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहां उसके आगे का रास्ता अंधेरी सुरंग से होकर गुजरता है। लगता है कि जैसे स्वार्थ इस युग का 'गुण'बन गया है। भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार हो गया है। उसी की आराधना में सब लिप्त हैं। यह देखते हुए भी कि हम नीचे जा रहे हैं, अपनी गति और मति को हम रोक नहीं पाते। इस प्रकार की स्थिति से उभरने का एक ही मार्ग है

आम प्रकृति नहीं स्त्री का हिंसक प्रतिरोध

>> विचार

“ स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक-प्रवृत्तियों के शोध का विषय है। पारिवारिक हिंसा समाज-शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए। विवाह-हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी, पर धीरे-धीरे यह हमारे जीवन में भी प्रवेश करेगी।

प्रमोद जोशी

मेघालय में हाल में हुए हनीमून हत्याकांड के बाद से अचानक ऐसी खबरों की भरमार मीडिया में हो गई है, जिनमें मानवीय और पारिवारिक रिश्तों को लेकर कुछ परंपरागत धारणाएं टूटती दिखाई पड़ रही हैं। खासतौर से अपराध में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तथाकथित ‘घातक पत्नियों’ के मीम्स और मज़ाक की बाढ़ आ गई है। सोनम रघुवंशी और राजा रघुवंशी मामला अभी विवेचना के दायरे में है, इसलिए उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं, पर उसके आगे-पीछे की खबरें इस बात का संकेत तो कर ही रही हैं कि हमारे बीच कुछ टूट रहा है। आप पूछेंगे कि क्या टूट रहा है? एक नहीं अनेक चीजें टूट रही हैं। घर-परिवार टूट रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं, विश्वास टूट रहा है, भावनाएं टूट रही हैं और वर्जनाओं-नैतिकता की सीमाएं टूट रही हैं। इस दौरान जो मामले सामने आए हैं उनमें प्रेम, विश्वासघात और मानवीय रिश्तों के अंधेरे पक्ष को लेकर सवाल उठे हैं। इन सभी प्रसंगों से इस बात पर रोशनी पड़ती है कि मानवीय भावनाएं, खास तौर पर प्रेम और वासना, कितनी जटिल और विनाशकारी हो सकती हैं। किस हद तक व्यक्ति जुनून और विश्वासघात से प्रेरित हो सकता है। यह उस अंधेरे को भी सामने लाता है जो प्रेमपूर्ण रिश्तों में मौजूद हो सकता है और कैसे प्रेम का विनाशकारी रूप सामने आ सकता है। पहले इन सुर्खियों पर निगाह डालें। एक लिव-इन पार्टनर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली। दूसरी खबर है, लिव-इन में रह रही युवती की हत्या, प्रेमी फरार। संपत्ति विवाद में पत्नी ने बेटे की मदद से पति को तकिए से मुंह दबाकर मार डाला। राजस्थान में प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या। पारिवारिक झगड़े में पति ने अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। एक घटना किसी दूसरी घटना का प्रेरणास्रोत बनती है। तेलंगाना में एक हत्या की जांच से पता लगा कि मेघालय के अंदाज में हत्या की योजना बनाई गई, जिसमें बाहर से लाए गए हत्यारों की भूमिका होती। बाद में इसे टाल दिया और दूसरा रास्ता अपनाया गया। इन सभी घटनाओं की पृष्ठभूमि एक जैसी नहीं है, पर सबमें पति, पत्नी, प्रेमी या प्रेमिका के प्रति विश्वासघात शामिल है। विश्वासघात के भी अलग-अलग कारण और ढंग हैं। इनमें किसी दूसरे प्रेमी या प्रेमिका, संपत्ति, ईर्ष्या या अचानक पैदा हुए आवेश की भूमिका है। हालांकि, हमारे पास इसे साबित करने वाला डेटा नहीं है, पर ऐसा लगता है कि स्त्रियों के व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है। वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, तो आपराधिक प्रवृत्तियों में भी शामिल होने लगी हैं। स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक-प्रवृत्तियों के शोध का विषय है। पारिवारिक हिंसा समाज-शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए। विवाह-हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी, पर धीरे-धीरे यह हमारे जीवन में भी प्रवेश करेगी। निराशा, शराब का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयां पारिवारिक दुर्व्यवहार के कुछ पूर्वानुमानित कारक हैं, जो पारिवारिक विघटन, हिंसक व्यवहार और अंततः विवाह-हत्या का कारण बनते हैं। पिछले तीन दशकों में टीवी सीरियलों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर स्त्रियों की नकारात्मक छवि का असर भी हमारे जीवन पर है। कुछ धारावाहिकों में, महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर दिखाया जाता है। कुछ में उन्हें घरेलू हिंसा और उत्पीड़न का शिकार दिखाया जाता है। मजबूत, स्वतंत्र और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला-पात्र, लड़कियों के आदर्श होने चाहिए। ऐसी महिलाएं हमारे बीच हैं भी, पर अय्याश, धोखेबाज़, क्रूर, साज़िशकार और विवाहेतर संबंधों में यकीन करने वाले स्त्री पात्रों को मनोरंजन माध्यमों ने भरपूर परोसा है। यह ज़मीनी-सच भले ही नहीं है, पर इसने सामाजिक-जीवन को प्रभावित जरूर किया है। ऊपर की घटनाओं में कुछ स्त्रियां अपराधी की भूमिका में नज़र आती हैं, पर हमारे यहां स्त्रियां सबसे ज्यादा अपराधों की शिकार होती हैं। छत्तीसगढ़ से प्राप्त 23 जून की एक खबर है कि पिछले 115 दिनों में राज्य में 30 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी। यानी के हर चार दिन में एक हत्या। हाल में अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत की यात्रा पर आने वाले अपने नागरिकों के लिए लेवल-2 की यात्रा चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि ‘बलात्कार अभी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यहां सेक्सुअल असॉल्ट समेत हिंसक अपराध टूरिस्ट स्पॉट और दूसरे स्थानों पर होते हैं। भारत की सामान्य स्त्री असुरक्षा से पीड़ित रहती है। अत्यधिक असुरक्षा भी कई बार उनसे हत्या जैसा अपराध करवा सकती है। पर अचानक स्त्रियों की हत्यारी छवि बनने लगी है,

जो खतरनाक बात है। संभव है कि कुछ स्त्रियां किसी अपराध की साजिश में दिखाई पड़ें, पर यह कम से कम हमारे समाज की आम प्रवृत्ति नहीं है। हमारे समाज में सामाजिक विघटन को रोकने और परिवारों को बचाए और बनाए रखने में स्त्रियों की सबसे बड़ी भूमिका है। ऐसे अपराध पहले भी होते रहे होंगे, पर समाचार-मीडिया के विस्तार ने ऐसी समझ के विस्तार में भी भूमिका अदा की है। ऐसी खबरों को चटपटा माल मानकर उछालने की प्रवृत्ति है। मीडिया की दिलचस्पी इन अपराधों के पीछे के मानसिक और सांस्कृतिक कारणों को खोजने में नहीं है। बहुत-सी बातों का जवाब मनोवैज्ञानिकों और मनोचिकित्सकों के पास होगा, पर मीडिया की कितनी दिलचस्पी इसमें है? किसी भी हत्या, आत्महत्या या आक्रमण के पीछे के मनोवैज्ञानिक-कारणों की तलाश भी होनी चाहिए। अपेक्षाकृत बंद भारतीय समाज में शहरीकरण, स्त्री-शिक्षा और कार्य-क्षेत्र में स्त्रियों की बढ़ती उपस्थिति के कारण स्त्री-पुरुष संबंधों में भी बदलाव हुआ है और उसके अंतर्विरोध भी स्पष्ट हैं। शहरीकरण, स्त्री-शिक्षा के विस्तार और मीडिया की भूमिका के समांतर हमारे जीवन में लिव-इन रिलेशनशिप और पारिवारिक विघटन की घटनाएं भी बढ़ी हैं। लिव-इन का एक पक्ष नारी-मुक्ति से जुड़ा है, तो दूसरा पक्ष उनके शोषण से भी वाबस्ता है। बेशक गर्लफ्रेंड, ब्वॉयफ्रेंड संस्कृति बदलते समय के साथ आनी ही आनी है, पर उसके साथ समूचे सांस्कृतिक-माहौल में परिवर्तन की जरूरत भी है। ये बातें सामाजिक, आर्थिक और व्यक्तिगत कारकों से प्रभावित होती हैं और उन्हें प्रभावित भी करती हैं। लिव-इन रिलेशनशिप का अर्थ क्या पारिवारिक विघटन है? क्या विवाह नाम की संस्था का अंत हो जाना चाहिए जीवन में बढ़ता अलगाव, तलाक या फिर रिश्तों में आती दरार बच्चों के मानसिक विकास को प्रभावित करती है। पारिवारिक विघटन पूरी सामाजिक संरचना को प्रभावित करता है और बच्चों के लिए भावनात्मक और मानसिक समस्याएं पैदा करता है। ऊपर गिनाई गई आपराधिक घटनाओं का सीधा रिश्ता पारिवारिक विघटन से नहीं है, पर उनकी दिशा वही है। मोटी बात है कि अपराध को अपराध की तरह देखा जाना चाहिए।

संपादकीय

स्त्री-द्वेष की सोच

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियों में पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे-बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कोलकत्ता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार- हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है।

उर्वरक नीति में बदलाव अब समय की मांग

डॉ. वीरेन्द्र सिह लाठर

हरित क्रांति के दौर से पहले किसान प्राकृतिक खेती किया करते थे, जिसमें रासायनिक उर्वरकों की खपत नगण्य थी। उस समय फसलों का उत्पादन और उत्पादकता कम थी। देश के बार-बार अकालग्रस्त होने से, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विदेशी अनाज के आयात पर निर्भर थी। वर्ष 1943 के बंगाल अकाल में 30 लाख से ज्यादा लोग भूख से मारे गए। ऐसी विकट परिस्थितियों में, नीतिकारों ने हरित क्रान्ति के जनक डा. नॉर्मन बोरलॉग द्वारा विकसित गेहूं की बौनी किस्मों और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान से धान की बौनी किस्मों का आयात करके, देश में हरित क्रांति का आगाज किया। इन उन्नत गेहूं-धान की बौनी किस्मों और बाजरा-ज्वार की हाईब्रीड किस्मों से पूरा उत्पादन लेने के लिए, भारी मात्रा में उर्वरकों का आयात और उत्पादन व भूजल आधारित ट्यूबवेल से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया। हरित क्रांति दौर में अपनाए गए कृषि सुधारों से देश में विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में कई गुणा बढ़ोतरी हुई। जिसकी बदौलत पिछले 5 दशकों से, लगातार बढ़ती आबादी के बावजूद, देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना हुआ है। चावल का पचास हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वार्षिक निर्यात भी कर रहा है। भारत में वर्ष 2022 में उर्वरक की औसत खपत 193 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि थी और लगभग 30 करोड़ मीट्रिक टन उर्वरक की खपत हुई। भारत में यूरिया सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला उर्वरक है। देश में उर्वरक की खपत प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। उर्वरकों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार भारी मात्रा मे वार्षिक आयात करती है। हरियाणा-पंजाब-पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों में गेहूं-धान फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन वार्षिक से ज्यादा है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल आदि प्रदेशों में भी वार्षिक धान की 2-3 फसल चक्रकी उत्पादकता 10

टन से ज्यादा है। इसलिए इन प्रदेशों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से दुगने से भी ज्यादा प्रति हेक्टेयर 250 किलो नाइट्रोजन, 120 किलो फास्फोरस और 200 किलो पोटेशियम के आसपास है। जबकि वर्षा आधारित बारानी फसलों बाजरा, ज्वार, दलहन, तिलहन आदि के उत्पादक राज्यों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से काफी कम रहती है। उच्च उत्पादकता वाली कन्दमूल और गन्ने जैसी फसलों को अच्छी पैदावार देने के लिए ज्यादा पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिससे इन फसलों की रासायनिक उर्वरक की खपत बहुत ज्यादा होती है। हरित क्रांति दौर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, नीतिकारों ने कृषि क्षेत्र के लिए रासायनिक उर्वरक की सस्ती दर पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक सब्सिडी नीति को अपनाया। किसानों को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर सरकार का व्यय पिछले वित्त वर्ष में 6 प्रतिशत घटकर रुपये 1,77,129.5 करोड़ रह गया, जो 2023-24 के दौरान रुपये 1,88,291.62 करोड़ था। यह गिरावट मुख्य रूप से यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के आयात में गिरावट तथा अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी के कारण हुई है। गिरावट के बावजूद, वास्तविक सब्सिडी बजट में प्रदान की गई रुपये 1,71,310 करोड़ से 3.4 प्रतिशत अधिक है। यूरिया, जो एक पूर्णतः नियंत्रित उर्वरक है, का विक्रय मूल्य पिछले कई वर्षों से 267 रुपये प्रति (45 किग्रा) बैग पर बना हुआ है। उद्योग के अनुमानों से पता चलता है कि सब्सिडी के बिना यह लगभग 1,750 रुपये प्रति बैग हो सकता है। इसी प्रकार, डीएपी का खुदरा मूल्य 1,350 रुपये प्रति बैग तय किया गया है, जो बिना सब्सिडी के लगभग 3,500 रुपये प्रति बैग हो जाएगा। सरकारी विभागों के कदाचार की वजह से लगभग आधे से ज्यादा सब्सिडी वाले कृषि ग्रेड उर्वरक की खपत उद्योगपतियों की फैक्टरियों में गैर-कानूनी तौर पर हो रही है यानी कृषि के लिए दी जा रही केन्द्रीय उर्वरक सब्सिडी का लाभ किसानों को नहीं मिलकर, उद्योगपतियों को मिल रहा है। हर वर्ष फसल बुआई के समय किसानों को उर्वरक पूरी मात्रा में नहीं मिल पा रहा है। उन्हें उर्वरक खुले बाजार से महंगे दाम पर ब्लैक में लेना पड़ रहा है। किसानों को समय पर पूरी मात्रा में उर्वरक नहीं मिल पाने से, फसल की उत्पादकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। कृषि ग्रेड उर्वरक किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरक नहीं मिलने के चलते सरकार द्वारा नियंत्रित सहकारी उर्वरक कम्पनी इफ्को किसानों को वर्ष 2021 से नैनो यूरिया बेच रही है। इफ्को कम्पनी के दावों के अनुसार नैनो यूरिया तरल स्वरूप में, पारंपरिक दानेदार यूरिया की 50 किलो की एक बोरी का विकल्प है। हरित क्रांति दौर से अग्रणी रहे पंजाब कृषि विश्वविद्यालय आदि अनेक संस्थानों के अनुसंधान में नैनो यूरिया को कृषि क्षेत्र के लिए अनुपयोगी पाया गया है। कृषि ग्रेड उर्वरक के उद्योग में गैर-कानूनी दुरुपयोग को रोकने और उर्वरक सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाकर किसानों तक पहुंचाने के लिए सरकार पिछले कई वर्षों से प्रयासरत है। कृषि सुधारों में सबसे ज्यादा तर्कसंगत उपाय उर्वरक सब्सिडी का किसानों को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण रहेगा। उर्वरक सब्सिडी के मौजूदा सरकारी आंकड़ों के हिसाब से प्रति एकड़ सिंचित भूमि के लिए 7,000 रुपये और वर्षा आधारित बारानी भूमि के लिए 4,000 रुपये दिये जाने चाहिए। कृषि मंत्रालय ने पहले ही पीएम-किसान, पीएम फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी विभिन्न योजनाओं के आंकड़े तथा प्रत्येक किसान को नवीनतम विशिष्ट आईडी, जिसमें भूमि जोत, बोई गई फसल और उपज जैसे विवरण शामिल हैं, उर्वरक मंत्रालय के साथ साझा कर दिया है। उर्वरक सब्सिडी का प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के रूप में किये जाने का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे, जिससे योजनाओं की प्रभावशीलता में सुधार होता है। इसका मुख्य लक्ष्य पारदर्शिता बढ़ाना है।

शिव शुक्ला
पश्चिमी कनाडा, अमेरिका और

चिंता: 30 साल में खत्म हो सकते हैं हिमखंड, स्विट्जरलैंड

अमेरिका और कनाडा में तेजी से खत्म हो रहे हैं ग्लेशियर

स्विट्जरलैंड के ग्लेशियर बेहद तेज़ी से पिघल रहे हैं। 2021 से 2024 के बीच इन तीन देशों में कुल ग्लेशियर बर्फ का 12 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि यही रफ्तार रही, तो जिन ग्लेशियरों के बारे में हम सोचते हैं कि वे 50 वर्षों तक रहेंगे, वे महज 30 वर्षों में ही इतिहास बन सकते हैं। नेचर में प्रकाशित ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के नेतृत्व में हुए एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस चौंकाने वाली सच्चाई से पर्दा उठाया है। इस अध्ययन से पता चला है कि 21वीं सदी के पहले दशक की तुलना में 2010 से 2019 के बीच ग्लेशियरों का पिघलना दोगुना हो गया। शोध दिखाता है कि उसके बाद के वर्षों में, ग्लेशियरों का पिघलना खतरनाक रफ्तार से जारी रहा। ग्लेशियरों के इस बड़े नुकसान के पीछे प्रमुख कारण गर्म और शुष्क मौसम को बताया गया है।

प्रदूषण भी जिम्मेदार : सिर्फ मौसम ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय प्रदूषण भी इस त्रासदी का कारक बन रहा है। स्विट्जरलैंड में सहारा रेगिस्तान से आई धूल और अमेरिका-कनाडा में जंगल की आग से फैली राख ने ग्लेशियरों को काला कर दिया। यह काला रंग सूर्य की गर्मी को अधिक सोखता है और पिघलने की प्रक्रिया को तीव्र बना देता है।

संयुक्त राष्ट्र ने किया 2025 को विश्व ग्लेशियर संरक्षण वर्ष घोषित : ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर नुकसान को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष घोषित किया है। यह पहल यूनेस्को, डब्ल्यूएमओ और 35 देशों के 200 से अधिक संगठनों से समर्थित है। इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ ग्लेशियर पुरस्कार शुरू किया है। इसके पहला विजेता अमेरिका के वॉशिंगटन में स्थित दक्षिण कैस्केड ग्लेशियर बना है।

मध्य यूरोप के लगभग 40% ग्लेशियर गुम : महासागरों के गर्म होने के बाद ग्लेशियर पिघलना समुद्र के वैश्विक बढ़ते स्तर की दूसरी सबसे बड़ी वजह है। 2000 से 2023 के बीच ग्लेशियरों ने अपनी बची हुई बर्फ का पांच फीसदी खो दिया है और मध्य यूरोप के लगभग 40 फीसदी ग्लेशियर गायब हो चुके हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

सर्वाधिक वाद निष्पादन बना रिकार्ड

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय के परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सत्य भूषण आर्य का आज जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद में विदाई दी गई है अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि हाईकोर्ट पटना द्वारा परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश का तबादला बांका व्यवहार न्यायालय में प्रधान जिला जज पद पर किया गया है औरंगाबाद परिवार न्यायालय के 13 वें प्रधान न्यायाधीश सत्य भूषण आर्य का कार्यकाल में 22/01/24 से 30/06/25 रहाई इसमें लगभग 2200 रिकॉर्ड वादों का निष्पादन काफी सराहनीय रहा,इस कार्यकाल में लोक अदालत में भी सर्वाधिक पारिवारिक मामलों का निष्पादन कराया गया है जिसकी सराहना और प्रशंसा जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय सिंह और महासचिव सिद्धेश्वर विधार्थी ने किया, आज व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के प्रधान न्यायाधीश सत्य भूषण आर्य, जिला जज प्रथम इसरार अहमद, जिला जज द्वितीय विश्व विभूति गुप्ता ने जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद और अधिवक्ता संघ औरंगाबाद में घुम घुम कर तमाम अधिवक्ताओं से मिले और न्यायिक कार्य में बार एवं बेंच के मधुर सम्बन्ध की सराहना करते हुए इसे बरकरार रखने की उम्मीद जताई, न्यायिक कार्य में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया, अधिवक्ता ने आगे बताया कि पटना हाईकोर्ट ने व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बेतिया के जिला जज न्यायधीश अरूण कुमार को बनाया है जो शिघ्र ही पदभार ग्रहण करेंगे,इस अवसर पर लोक अभियोजक पुष्कर अग्रवाल,प्रदीप कुमार, मुकेश कुमार सिंह, विनय कुमार मिश्रा, अंजनी कुमार सरोज,चंद्रकांता कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

शराब तस्कर को छः साल की सजा और एक लाख जुमार्ना उत्पाद कोर्ट ने लगाया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में उत्पाद कोर्ट द्वितीय ने पोथु थाना कांड संख्या - 14/18,टी आर 1233/22,जी आर -279/18 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए दो अभियुक्त कोपिंन्द्र कुमार, उमेश यादव मंझोली पोथु को बिहार मध निषेध एवं उत्पाद ऐक्ट 2016 के धारा -30 ए में सजा सुनाई है,इस वाद के सूचक पु .अ .नि. थानाध्यक्ष पोथु अरबिंद कुमार ने 02/03/18 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें कहा था कि वारंटी अभियुक्तों और अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ छापेमारी कर रहे थे तो एक खेत में झारखंड निर्मित देशी शराब के 200 एम एल के 92 पाउच के साथ दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, स्पेशल पीपी कुमार योगेन्द्र नारायण सिंह ने बताया कि गवाहों के गवाही, जप्ति सुची,शराब जांच प्रतिवेदन के आधार पर आज अभियुक्तों को सजा सुनाई गई है,अपर विशेष लोक अभियोजक राजीव रंजन सिंह ने कहा कि अभियुक्तों को बिहार मध निषेध एवं उत्पाद ऐक्ट की धारा 30 ए में छः साल की सजा, एक लाख रुपए जुमार्ना और जूमार्ना न देने पर छः महीने अतिरिक्त साधारण कारावास होगी,विधि परामर्शी शेखर कुमार ने बताया कि अभियुक्त जमानत पर था आज दोषी करार दिए जाने पर बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया है।

दुधैला में मेडिकल कॉलेज का स्थल सबसे उपयुक्त, सुरक्षित एवं सुव्यस्थित

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में मेडिकल कॉलेज के लिए स्थल चयन की प्रक्रिया के क्रम में बहुत सारे स्थलों के अवलोकन के पश्चात सर्वाधिक उपयुक्त स्थल जम्होर थानांतर्गत बारुण,ओबरा एवं औरंगाबाद के प्रखंड के सीमा पर अवस्थित ग्राम दुधैला के पास सिंचाई विभाग का जो जमीन है वह वर्तमान समय में मेडिकल कॉलेज के लिए सर्वाधिक उपयुक्त जगह है।यह स्थल तीन विधानसभा औरंगाबाद, ओबरा और नबीनगर विधानसभा के त्रिकोण पर है दो लोकसभा काराकाट और औरंगाबाद के सीमा पर है। यही नहीं इस स्थल से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 119 की दूरी 6 किलोमीटर पर है। राजमार्ग 139 की दूरी 2 किलोमीटर है। रेलवे के ए ग्रेड स्टेशन अनुग्रह नारायण रोड से 1 किलोमीटर की दूरी पर है।दुधैला के बगल से 08 किलोमीटर पर पटना कैनाल का रोड है जो 18 किलोमीटर पर दाउदनगर प्रखंड से संपर्क को जोड़ती है जहां से नासरीगंज का पुल है और पुल के बाद से सीधा दूसरे जिले के लोग भी इससे लाभान्वित हो सकते हैं । रेल मार्ग,सड़क मार्ग से अत्यंत सुगमता पूर्वक जुड़ा हुआ दुधैला ग्राम यातायात के सभी संसाधनों से परिपूर्ण है। इसके बगल में एक किलोमीटर की दूरी पर जम्होर का समृद्ध बाजार है। आधा किलोमीटर की दूरी पर सुरक्षा की दृष्टिकोण से जम्होर थाना अवस्थित है। गया हवाई अड्डा की दूरी इस स्थल से रफीगंज मार्ग होकर मात्र 75 किलोमीटर पर अवस्थित है। 25 किलोमीटर की दूरी पर सुअरा हवाई अड्डा भी अवस्थित है। इस जमीन पर किसी तरह का कोई विवाद भी नहीं है। सुरेश विद्यार्थी एवं अगल-बगल ग्राम के सभी ग्रामीण इस स्थल पर मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए प्रेस ब्यान जारी कर बिहार सरकार के माननीय मुख्यमंत्री,माननीय स्वास्थ्य मंत्री एवं भारत सरकार से मांग किया है कि औरंगाबाद जिले का सबसे सुव्यस्थित, सुरक्षित एवं उपयुक्त जगह ग्राम दुधैला का यह स्थल है जहां पर यदि मेडिकल कॉलेज बना दिया जाता है तो औरंगाबाद जिले के सभी प्रखंड के लोग सभी जगह के लोग आसानी से अपनी चिकित्सा सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

रेलकर्मियों से जुड़े केंद्रीय तथा स्थानीय समस्याओं को लेकर निकल गया रैली

विशाल जुलूस के माध्यम से कारखाना के विभिन्न शॉप में ईआरएमयू ने किया प्रदर्शन

रेल कर्मियों से जुड़ी मांग को लेकर मेंस यूनियन की ओर से सीडब्लूएम को सौंपा गया ज्ञापन

जमालपुर।

ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा जमालपुर के तत्वावधान में केंद्रीय मांगों के अलावा रेलकर्मियों की स्थानीय समस्या को लेकर एक रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान मेंस यूनियन के पदाधिकारी को कार्यकताओं के अलावा रेलकर्मियों के द्वारा विशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस का नेतृत्व ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा के अध्यक्ष कॉमरेड कमोज कुमार ने किया। जुलूस के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मेंस यूनियन के केंद्रीय पदाधिकारी कॉमरेड अनिल प्रसाद यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन के कार्यकारी कमेटी सदस्य कामरेड वीरेंद्र प्रसाद यादव मौजूद थे। जमालपुर कारखाना के स्वास्थ्य केंद्र से आरंभ हुआ विशाल जुलूस विभिन्न शॉप होते हुए पुनः स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर संपन्न हुआ। स्वास्थ्य केंद्र के निकट पहुंचकर जुलूस एक सभा के रूप में तब्दील हो गया। जहां ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन तथा ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन के पदाधिकारियों ने रेल कर्मियों को संबोधित करते हुए रेलवे मजदूर से जुड़े केंद्रीय एवं स्थानीय समस्याओं को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की। अतिथियों ने अपने संबोधन में मुख्य रेलवे अस्पताल जमालपुर को मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के रूप में परिणत करने, वैगन रिपेयर हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने, जमालपुर कारखाना के कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर कम से कम दस हजार तक करने, निर्माण से संबंधित सभी कार्य स्थाई कर्मचारियों से करवाने, यूनिफाइड पेंशन स्कीम के नाम पर हो रही 10% कटौती को सूद सहित वापस करने, विद्युत इंजन, ईएमयू, मेमू के कोच निर्माण व मरम्मतीकरण का वर्कलोड देने तथा कारखाना के शत प्रतिशत कर्मचारियों को इंसेंटिव देने की सवालों को उठाते हुए रेलवे मंत्रालय से इन मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने का अल्टीमेटम दिया। सभा को संबोधित संयुक्त सचिव गोपाल जी, सहायक सचिव संजीव कुमार ने कहा कि इन समस्याओं को लेकर ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा जमालपुर लगातार संघर्षरत है। जब तक इन मांगों को पूरा नहीं कर लिया जाता, तब तक यह संघर्ष निरंतर चलता रहेगा। शाखा सचिव कामरेड परमानंद कुमार ने बताया कि रेल इंजन

कारखाना जमालपुर की समस्या को लेकर केंद्रीय इकाई भी इस लड़ाई में जमालपुर कारखाना के कर्मचारियों के साथ है। इन स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए केंद्रीय स्थाई वार्ता तंत्र की बैठक में लगातार संघर्ष चल रहा है। जिसका परिणाम है कि जमालपुर कारखाने के मुख्य रेलवे अस्पताल के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर पैसा दिया गया है। जल्द ही मुख्य रेलवे अस्पताल का इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह से बदलकर बेहतर सुविधा के साथ होगा। साथ ही साथ ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा के सतत प्रयास के बाद जमालपुर कारखाने के इंफ्रास्ट्रक्चर को भी बेहतर करने की बात प्रशासन द्वारा तय हो चुकी हैं एवं इसके लिए पैसा भी मुहैया कराया जा रहा है। जमालपुर कारखाने के कर्मचारियों को जल्द ही यह कार्य जमीनी स्तर पर होते हुए दिखेगा। उन्होंने कहा कि

कारखाना कर्मियों के सैंक्शन स्ट्रैंथ को बढ़ाने के लिए भी संघर्ष जारी है एवं इसे भी जल्द हासिल किया जाएगा। सभा के उपरांत ईआरएमयू कारखाना शाखा जमालपुर के द्वारा मुख्य कारखाना प्रबंधक को रेल कर्मियों से संबंधित मांगों को लेकर एक मांगपत्र दिया गया। मौके पर शाखा के कोषाध्यक्ष रंजित कुमार सिंह, मृत्युंजय कुमार सिंह, रिजवान आलम, मधु कुमारी, कविता कुमारी, पूनम कुमारी, अभिमन्यु पासवान, रवींद्र यादव, पूरण सोरेन, राहुल रमण, राजीव कुमार,अमरेंद्र कुमार,अमित कुमार राय, सुमन भारती, मंजू श्रीवास्तव, धनंजय कुमार, ललन कुमार, अभिषेक कुमार, शिशिर कुमार, शिवव्रत गौतम, गणेश कुमार, पंकज कुमार, संजय कुमार, रवि शंकर कुमार, धर्मेंद्र कुमार, चंदन कुमार, देवानंद सागर मौजूद थे।

लोजपा आर पार्टी के प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार सिंह ने मदनपुर प्रखंड के नीमा आजन पंचायत में जन संपर्क किया

नीमा आजन पंचायत में कई ग्रामीणों की समस्या का समाधान कराया - प्रमोद कुमार सिंह

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में गूंजा प्रमोद सिंह जिंदाबाद और रफीगंज का विधायक कैसा हो प्रमोद सिंह जैसा हो का नारा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- लोजपा (आर) पार्टी के प्रदेश महासचिव सह समाजसेवी प्रमोद कुमार सिंह ने मदनपुर प्रखंड के नीमा आजन पंचायत में जन संपर्क किया

नीमा आजन पंचायत में कई ग्रामीणों की समस्या का समाधान कराया - प्रमोद कुमार सिंह नक्सल प्रभावित क्षेत्र में गूंजा प्रमोद सिंह जिंदाबाद और रफीगंज का विधायक कैसा हो प्रमोद सिंह जैसा हो का नारा। बताते चलें कि बिहार में विधानसभा का चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे वैसे औरंगाबाद जिले की राजनीति गरम होते जा रही है। लेकिन इन चुनाव के बीच एक उम्मीदवार सह लोजपा आर पार्टी के प्रदेश महासचिव सह समाजसेवी एवं रफीगंज विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी रहे प्रमोद कुमार सिंह की सक्रियता

रफीगंज विधानसभा क्षेत्र में अत्यधिक देखी जा रही है। उनके द्वारा वैसे क्षेत्रों का भी भ्रमण किया जा रहा है जहां अन्य लोग जाने से कतराते है। सोमवार को श्री सिंह ने ऐसे ही क्षेत्र का भ्रमण किया। इन क्षेत्रों में अपने क्षेत्र में मदनपुर प्रखंड के नीमा आजन पंचायत के तिलैया, चरईया ,नवाडीह, जोडरवा,सहजपुर ,कनौदी ,बल्हावार, कल्याणपुर, नीमाडीह, गुरमडीह, सढ़यार, कोल्हीनिया, कोईलवा, आजाद बिगहा, चकपर, मुंशी बिगहा, रामराज बिगहा, मसखारा, छालीदोहर आदि शामिल है। इन क्षेत्रों में श्री सिंह का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रमोद सिंह जिंदाबाद एवं रफीगंज का विधायक कैसा हो के गगनभेदी नारे के साथ उनका अभिनंदन किया। श्री सिंह ने जनसभा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों से बात कर सभी समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिया। उन्होने ग्रामीणों से अपील की कि पंचायत का चुनाव हो या विधानसभा का वैसे उम्मीदवार को अपना मत दीजिए जो पैसे का लालच देकर आपके वोट का गलत इस्तेमाल न कर सके। आज की वही स्थिति इन गांवों में देखने को मिल रही है।जहां पूर्व और वर्तमान के जनप्रतिनिधियों ने कोई काम नहीं किया। जिसका परिणाम यह है कि अधिकतर गांव विकास की किरणों से अछूते है। ग्रामीणों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि वोट के दौरान उनसे गलती हुई।लेकिन इस बार प्रत्याशी नहीं मतदाता जीतेगा। ग्रामीणों ने प्रमोद सिंह को अपना नेता मान उन्हें भरपूर समर्थन देने की घोषणा की और गांव के बुजुर्गो ने अपना आशीर्वाद भी दिया। श्री सिंह ने ग्रामीणों को भरोसा दिया कि यदि उन्हें प्रतिनिधित्व का मौका मिलता है तो वे पूरे विधानसभा क्षेत्र को एक आदर्श विधानसभा बनाने की कोशिश करेंगे और किस क्षेत्र में क्या काम होगा वह वहां की जनता तय करेगी।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिला अध्यक्ष एवं सचिवों के साथ बैठक आयोजित की गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिला अध्यक्ष एवं सचिवों के साथ एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई।इस बैठक भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (Special Intensive Revision – SIR 2025) के सुचारु, पारदर्शी एवं व्यापक क्रियान्वयन के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा पुनरीक्षण कार्यक्रम की अद्यतन समय-सारणी, घर-घर जाकर बूथ स्तर अधिकारी (BLO) द्वारा किए जा रहे मतदाता सूची सत्यापन (एन्युमरेशन) कार्य, तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने उपस्थित प्रतिनिधियों को सूचित किया कि निर्वाचन नामावली में परिवर्तनों हेतु निर्धारित फॉर्म-6, 7 एवं 8 का उपयोग किया जाना अनिवार्य है,सभी राजनैतिक दलों को प्रारूप निर्वाचक सूची तथा मतदान केन्द्रों की प्रारूप सूची उपलब्ध कराई गई। साथ ही, दिनांक 30 जून 2025 से 6 जुलाई 2025 तक प्रारूप सूची पर दावे एवं आपत्तियाँ दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय एवं रचनात्मक सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। विशेष रूप से, BLO द्वारा किए जा रहे डोर-टू-डोर सत्यापन कार्य की निगरानी करने एवं किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा अनियमितता की सूचना यथाशीघ्र जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने की अपील की गई। उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचक नामावली का

अद्यतन एक सामूहिक उत्तरदायित्व है, तथा सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किया जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना के अनुरूप आवश्यक है। साथ ही, SVEEP (Systematic Voters' Education and Electoral Participation) कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित जनजागरूकता गतिविधियों में राजनैतिक दलों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया, जिससे कोई भी योग्य मतदाता नामांकन से वंचित न रह जाए। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री मोहम्मद गजाली तथा सभी प्रमुख राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

सामाजिक संस्था अभिनव कला संगम आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व मतदाताओं के बीच जागरूकता अभियान चलाएगी।

रिपोर्ट - ब्यूरो चीफ प्रमोद कुमार सिंह के साथ विश्वास चौरसिया

डेहरी (रोहतास) देश के चर्चित नाट्य कला संस्कृति व सामाजिक संस्था अभिनव कला संगम आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व मतदाताओं के बीच जागरूकता अभियान चलाएगी। साथ ही बेहतर प्रत्याशी चयन के लिए लोगों को जागरूक भी करेगी। इसका निर्णय रविवार कि शाम संस्था के संरक्षक सह मनोरोग विशेषज्ञ डॉ उदय कुमार सिन्हा के निजी क्लीनिक पर बैठक में लिया गया। अपने संबोधन मे डा उदय कुमार सिन्हा ने कहा कि जात-पात, धर्म-मजहब के राजनीतिक के दुर्गंध में आमलोग इतना जकड़ चूकें है, कि राजनीतिक पार्टियां भी जात- पात के चक्कर मे उम्मीदवारो का चयन जाती के आधार पर करते हैं। जो

विधानसभा क्षेत्र हीं नहीं राज्य के लिए घातक है। प्रत्याशीयों के सहीं चयन नहीं होने पर मतदाताओं को नोटा बटन का उपयोग करना चाहिए, ताकि राजनीतिक दलों को यह सबक मिले कि मतदाता पर ऐरे- गैरे उम्मीदवार थोपा न जा सके। अकस सदस्यों ने कहा कि इसे लेकर विधानसभा क्षेत्र ही नहीं जिले स्तर पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाना चाहिए, और मतदाताओं को यह बताना चाहिए कि जात- पात, धर्म से उपर उठकर अच्छे प्रत्याशी का मतदान करे। और प्रत्याशी बेहतर नहीं होने पर नोटा का बटन दबाएं। अन्य सदस्यों ने कहा कि अभिनव कला संगम विधानसभा चुनाव के पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान के साथ बेहतर विहार को लेकर कई अन्य कार्यक्रमो का आयोजन करेंगी। संरक्षक डा उदय कुमार सिन्हा द्वारा दिए गए सुझाव पर तत्काल निर्णय लेते हुए संस्था के सदस्यों ने जल्द नुक्कड़ नाटक करने का निर्णय लिया गया। बैठक में संस्था अध्यक्ष कमलेश कुमार, संरक्षक सीमल सिंह, सचिव विनय मिश्रा, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, उपाध्यक्ष संजय यादव, आलोक मिश्रा, रवि तिवारी, कृष्णा यादव, बैजू गुप्ता समेत अन्य उपस्थित थे।

न्याय चला आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत आयोजित होगा मोबाईल लोक अदालत - सचिव

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश के आलोक बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के संयुक्त तत्वाधान में न्याय चला आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न प्रखण्ड परिसर में मोबाईल लोक अदालत सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाना है। सचिव श्रीमती तान्या पाटेल के द्वारा बताया गया कि आगामी 02-07-2025 से लेकर 04-07-2025 तक जिले के विभिन्न प्रखण्डों में सुलहनीय वादों के निस्तारण हेतु मोबाईल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। उनके द्वारा बताया गया कि दिनांक-02.7-2025 को मदनपुर, रफीगंज, देव, प्रखण्ड परिसर में दाखिल खारिज, बैंक ऋण बीमा कंपनी एवं अन्य सुलहनीय एवं पूर्व विवाद से सम्बंधित मामलों का का निस्तारण मदनपुर प्रखंड परिसर में समय 11:00 पूर्वाहन से 03:00 बजे अपराहण तक किया जायेगा। इसी तरह दिनांक-03.07.2025 को औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय से सम्बंधित सुलहनीय लम्बित वाद औरंगाबाद अनुमण्डल न्यायालय लम्बित वाद औरंगाबाद, कुटुम्बा, नबीनगर, प्रखण्ड से सम्बंधित दाखिल खारिज, बैंक ऋण बीमा कंपनी एवं अन्य सुलहनीय एवं पूर्व विवाद का निस्तारण औरंगाबाद प्रखंड परिसर में किया जायेगा। इसी तरह दिनांक-04.07.2025 को दाउदनगर अनुमण्डलीय व्यवहार न्यायालय से सम्बंधित सुलहनीय लम्बित वाद अनुमण्डल न्यायालय से लम्बित वाद दाउदनगर, ओबरा, गोह, हसपुरा, प्रखण्ड एवं अंचल से सम्बंधित वादों का निस्तारण दाउदनगर प्रखंड परिसर में किया जायेगा। उक्त सभी आयोजन सम्बंधित प्रखण्ड परिसर में किया जायेगा। सचिव श्रीमती तान्या पाटेल के द्वारा जिले वासियों से यह अपील किया गया है, कि जिले वासी इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाये, क्योंकि यह लोक अदालत उनके नजदीकी प्रखण्ड परिसर में लगाया गया है।

परसा विधानसभा के दरियापुर में भजपा कार्यकर्त्ता सम्मेलन बूथ सशक्तिकरण अभियान पौधा रोपण किया गया

सोनपुर , ।

परसा विधानसभा के दरियापुर पछमी मंडल का कार्यकर्त्ता सम्मेलन बूथ सशक्तिकरण अभियान पौधा रोपण और अभिनन्दन समारोह अपना बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम की तैयारी हेतु बैठक मटिहान मे आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा ने किया और संचालन महामंत्री पवन सिंह ने किया कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह जिला मंत्री राजीव सिंह जिला मंत्री अर्जुन सिंह थे सभी लोगो को पहुंचने पर मंडल पदाधिकारी द्वारा अंग वस्त्र और फुल माला से स्वागत किया इस अवसर पर पूर्व मुखिया हरी सहनी भाजपा नेता कृष्णकांत सिंह महामंत्री मनोज ठाकुर रघुवंश महतो विंध्याचल सिंह गोपाल जो बच्चा पांडेय जयमाला देवी सहित बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित रहे वही इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह को पुन प्रदेश कार्य समिति सदस्य बनने पर लोगो ने उनको अंग वस्त्र फुल माला से स्वागत कर मिठाई खिलाकर बधाई दिया इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने अपना बूथ सबसे मजबूत ग्यारह साल बेमिसाल और पार्टी के आगामी कार्यक्रम की तैयारी पर विषतार से चर्चा हुआ और केंद्र और राज्य सरकार की चल रहे योजना के बारे मे चर्चा किया और उससे हो रहे लोगो के लाभ के बारे मे चर्चा किया गया और विधानसभा चुनाव मे मजबूती से तैयारी को लेकर चर्चा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

प्रजापति समाज की बैठक एवं पंचायतों के नव चयनित अध्यक्ष/सचिवों का सम्मान समारोह संपन्न

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार कुम्हार (प्रजापति) समन्वय समिति प्रखंड इकाई दाउदनगर में प्रखंड के सभी पंचायतों के प्रजापति समाज के नव चयनित अध्यक्ष एवं सचिव एवं कोर कमिटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष विनोद प्रजापति के आवास पर आयोजित की गयी। जिसमें सभी पंचायतों के नव चयनित पदाधिकारियों को प्रखंड कमिटी के द्वारा अंगवस्त्र,फूलमाला एवं प्रमाण पत्र के साथ उन्हें सम्मानित किया गया। दाउदनगर प्रखंड में प्रजापति भवन निर्माण के लिए उनकी सहभागिता सुनिश्चित हो,उन्हें यह भी बताया गया कि आप अपने पंचायत के सभी ग्रामीण क्षेत्रों के प्रजापति समाज को जागरूक करने का कार्य करेंगे। आपके सहयोग एवं प्रखंड कमिटी की तत्परता से भवन निर्माण कार्य अविलंब शुरू किया जाएगा। जिसमें पंचायत मनार के अध्यक्ष अनिल प्रजापति, सचिव सत्येन्द्र प्रजापति,बेलवां के देवबंश प्रजापति, अमरेन्द्र प्रजापति,अंकोढा. के शिवभजन प्रजापति,भोला प्रजापति,संसा के लवकुश प्रजापति, रंजीत प्रजापति,चौरी के अरविंद प्रजापति, अमित प्रजापति,सिन्दुआर के दुधेश्वर प्रजापति, मुकेश प्रजापति,नोनार के विनोद प्रजापति, अमरजीत प्रजापति,तरारी के ब्रजेश प्रजापति, राजेश प्रजापति, शमशेर नगर के ललन प्रजापति,शेष प्रजापति,चौरम के गणेश प्रजापति,डॉ योगेश प्रजापति, तरार के मुकुंद प्रजापति,डॉ सुमन प्रजापति,अरई के भूषण प्रजापति, सत्येन्द्र प्रजापति,कनाप के ललन प्रजापति,बृजकिशोर प्रजापति,महावर के अध्यक्ष युगेश्वर प्रजापति चुने गए हैं। बैठक में प्रखंड के सचिव गुप्तेश्वर प्रजापति, कोषाध्यक्ष लौकेश प्रजापति, संरक्षक लालबहादुर प्रजापति, संयोजक अजय प्रजापति, अनुमंडलीय अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति साथ ही संतोष प्रजापति, सुनील कुमार प्रजापति,राजदेव प्रजापति,सुदर्शन प्रजापति, महेंद्र प्रजापति, अमरेन्द्र प्रजापति, चन्दन प्रजापति आदि प्रजापति समाज के सदस्यगण उपस्थित रहे।

मानवाधिकार में पीड़ित महिला थकहार कर न्याय के गुहार लगाई,न्याय की उम्मीद

दिव्य दिनकर

भागलपुर (बिहार) राष्ट्रीय मानवाधिकार कार्यालय में मनीषा कुमारी एक पीड़ित महिला अपने भाई के साथ अपने पति के खिलाफ आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई है जिसमें महिला ने बताया है कि मेरे पति झारखंड के धनबाद जिला के झरिया के निवासी हैं वह प्रतिदिन शराब पीकर घर आते हैं और मुझे और मेरे तीन बेटियों को काफी मारते पीटते हैं कुछ भी काम धंधा नहीं करते। केवल घूमना फिरना मारना पीटना और उल्टा सीधा कार्य करते हैं इनके जुल्मों से परेशान होकर मैं अपने मायके बिहार भागलपुर जिला में रह रही हूं उनकी बहुत ही खतरनाक मंशा है मुझे मारकर हो सकता है मेरे बेटियों को कहीं बेच न दें इसी डर से मैं ससुराल से अपने मायके घर भागलपुर आ गई हूं मगर यह व्यक्ति यहां पर भी मुझे जीने नहीं दे रहा है कहता है मैं तुम्हारी हत्या करवा दूंगा ' मैं झारखंड झरिया थाना में भी आवेदन दी थी मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है भागलपुर न्यायालय में एक कागज बनाकर सहना भी किया मगर उससे भी कोई फायदा नहीं हो रहा है मेरे और मेरे बच्चों के साथ कभी भी कोई भी अप्रिय घटना घट सकती है मैं अपने पति से बिना किसी स्वार्थ के उनसे अलग होना चाहती हो मानवता एवं बाल संरक्षण अधिनियम के तहत मेरे परिवार की मदद करने की कृपा करें 'इस प्रकार की गंभीर बातें एवं अलगाव होने की स्थिति को सुनकर अध्यक्ष महोदय ने महिला को आश्वासन दिया है कि झारखंड सरकार से एवं झारखंड पुलिस से एवं झारखंड न्यायालय में आपकी बातों को रखकर पूर्ण रूपेण मदद की जाएगी ' बैठक में मानवाधिकार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ईशान सिन्हा, जिला सचिव सुबोध शर्मा, मीडिया प्रभारी मनीष कुमार, रवि, आदि मौजूद थे

जमालपुर विधानसभा में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में चुनाव के मद्देनजर सिखाए गए राजनीति के गुर

जमालपुर।

नगर परिषद जमालपुर के वार्ड संख्या-1 में जमालपुर-मुंगेर पथ पर स्थित फूड प्लाजा बैंक्विट हॉल में सोमवार को एकदिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में एआईसीसी के प्रशिक्षक विकास बुडानिया तथा सह प्रशिक्षक विधानसभा प्रभारी सह राष्ट्रीय पर्यवेक्षक प्रज्ञा फिलिप्स मौजूद रहीं। कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देते हुए विकास बुडानिया ने बताया कि कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव की तैयारी, बूथ स्तर की रणनीति, संगठन की मजबूती, जनसंपर्क अभियान और सोशल मीडिया के उपयोग पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में संगठन की ताकत ही चुनाव जीतने की कुंजी है। कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए प्रशासक विकास बुडानिया ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य करने, जनता के बीच जाकर कांग्रेस की नीतियों, उपलब्धियां और जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचने की दिशा में कई महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। उन्होंने आगे कहा कि कार्यकर्ताओं को पूर्व की कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए कार्यों के साथ-साथ वर्तमान केंद्र और राज्य सरकार की विफलताओं को उजागर करना होगा। प्रशिक्षण शिविर में जमालपुर विधानसभा के तीन प्रखंड धरहरा, जमालपुर एवं खड़गपुर के 34 पंचायतों एवं नगर परिषद जमालपुर के 36 वार्डों के कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे। जमालपुर विधायक डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा कि संगठन ही पार्टी की रीढ़ है। जब संगठन मजबूत होगा तभी चुनाव में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर मेहनत करें, घर-घर जाकर जनता से संवाद करें। सरकार की जन विरोधी नीतियों को जनता के सामने रखें और कांग्रेस की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी जनता को दें। आगामी विधानसभा चुनाव केवल राजनीतिक ही नहीं विचारधारा की रक्षा की लड़ाई है। इसे जीतने के लिए सभी को एकजुट होकर निष्ठा, मेहनत और ईमानदारी से काम करना होगा। मौके पर मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक पासवान, जमालपुर नगर अध्यक्ष साईं शंकर, धरहरा प्रखंड अध्यक्ष प्रभाकर सिंह, खड़गपुर प्रखंड अध्यक्ष दिलीप मंडल, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी सहित संगठन के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड के सुविधाजनक आवागमन हेतु अप्रैल से जून माह तक स्पेशल ट्रेनों द्वारा लगाए गए 5486 फेरे

इस वर्ष जून माह के समय पालन में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार दर्ज हुआ

हाजीपुर:

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनके सुविधाजनक आवागमन के उद्देश्य से कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। यात्रियों को आरामदायक तरीके से उनके गंतव्य स्थानों तक पहुंचाना पूर्व मध्य रेल की प्राथमिकता में शामिल रही है। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान (अप्रैल से जून माह तक) पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से प्रारंभ/समाप्त होने/गुजरने वाली स्पेशल ट्रेनों द्वारा 5486 फेरे लगाए गए जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में स्पेशल ट्रेनों 2131 फेरे लगाए गए थे। इस प्रकार इस वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान अप्रैल से जून माह तक पिछले वर्ष के इसी अवधि की तुलना लगभग ढाई गुणा अधिक फेरे लगाए गए। इसके साथ ही 11 जोड़ी वंदे भारत, 02 जोड़ी अमृत भारत एवं 01 जोड़ी नमो भारत का भी नियमित परिचालन प्रारंभ किया गया है। साथ ही यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर कई ट्रेनों का विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव भी प्रदान किये गए हैं। नियमित ट्रेनों के अलावा ढाई गुणा अधिक स्पेशल ट्रेनों के फेरों के बावजूद भी समय पालन में सुधार ही दर्ज हुआ है। पिछले वर्ष जून माह में समय पालन जो 81.7 प्रतिशत था वो बढ़कर इस वर्ष जून माह में 82.66 प्रतिशत हो गया है। इन स्पेशल ट्रेनों के परिचालन से 60 लाख से अधिक अतिरिक्त आरक्षित बर्थ उपलब्ध कराए गए जिससे इस वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों को अपने गंतव्य तक की यात्रा काफी सुगम हुई। इसके साथ ही यात्रियों को आसानी से आरक्षित टिकट उपलब्ध कराने हेतु रेलवे द्वारा कई कदम उठाए गए हैं जिनमें एडवांडस रिजर्वेशन पीरियड (ARP) को 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दिया गया है। साथ ही टिकट दलालों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से तत्काल टिकट को मोबाइल आधारित ओटीपी से जोड़ने का निर्णय लिया गया है जिसके तहत ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण जरूरी होगा जो आधार से जुड़े मोबाईल नंबर पर आएगा। रेलवे एजेंट तत्काल बुकिंग शुरू होने के पहले 30 मिनट तक तत्काल टिकट नहीं बुक कर सकेंगे। इसके साथ ही रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर ट्रेनों का आरक्षण चार्ट यात्रा के 08 घंटे पहले जारी करने की योजना बनाई जा रही है। इससे वेंटिग वाले यात्रियों को यात्रा के 08 घंटे पहले ही यह पता चल जाएगा कि उनका टिकट कंफर्म हुआ है या नही जिससे वे समय रहते ही वैकल्पिक व्यवस्था कर सकेंगे। वर्तमान में चार्ट यात्रा के 04 घंटे पहले जारी किया जाता है।

बिहार सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बीच 6 नए क्षेत्रीय हवाई अड्डों के लिए एमओयू साइन

मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा और रेजीडेंट कमिश्नर कुंदन कुमार रहे मौजूद

नई दिल्ली, ।

दिल्ली स्थित बिहार निवास में आज एक ऐतिहासिक कदम के तहत बिहार सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) के बीच छह नए क्षेत्रीय हवाई अड्डों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर बिहार के मुख्य सचिव श्री अमृत लाल मीणा तथा दिल्ली स्थित बिहार के रेजीडेंट कमिश्नर श्री कुंदन कुमार (IAS) की उपस्थिति रही। साथ ही इस बैठक में बिहार के डायरेक्टर सिविल एविएशन श्री निलेश देवरे (IAS) ने अअक के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हाल ही में संपन्न राज्य कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई थी। इसके तहत मधुबनी, बिरपुर (सुपौल), मुंगेर, वाल्मीकि नगर (पश्चिम चंपारण), मुजफ्फरपुर और सहरसा में छोटे हवाई अड्डों के निर्माण की योजना है।

इन परियोजनाओं के पहले चरण के लिए 150 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें प्रत्येक हवाई अड्डे के लिए 25 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा, यह समझौता बिहार में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सशक्त बनाने की दिशा में एक निर्णायक पहल है। यह न सिर्फ राज्य की यातायात संरचना को मजबूती देगा, बल्कि विकास और निवेश के नए द्वार भी खोलेगा। इस अवसर पर रेजीडेंट कमिश्नर श्री कुंदन कुमार ने कहा, नई दिल्ली में बिहार निवास एक संवाद और समन्वय का केंद्र बन रहा है। यह समझौता बिहार की क्षेत्रीय हवाई सेवा को नई ऊंचाई देने वाला है और इसके माध्यम से केंद्र व राज्य के बीच सहकार्य को नई गति मिलेगी। यह पहल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत दृष्टिकोण और भारत सरकार की उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य किफायती हवाई यात्रा के माध्यम से अनुपयुक्त क्षेत्रों को जोड़ना है। भारत अगले पांच वर्षों में 50 और हवाई अड्डे जोड़ने की योजना बना रहा है, जिससे 2047 तक कुल 350 से अधिक हवाई अड्डों का लक्ष्य रखा गया है। इन योजना वाले हवाई अड्डों पर 19-सीटर विमान संचालित होंगे, जो बिहार के दूरदराज क्षेत्रों तक हवाई यात्रा की पहुँच में महत्वपूर्ण सुधार करेंगे।बिहार सरकार की यह पहल राज्य में समावेशी विकास को बल देगी। खासकर उन ज़िलों को जिनमें अब तक हवाई सुविधाएं नहीं थीं, वहां पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसके साथ ही राज्य सरकार ने यह संकेत भी दिया है कि भविष्य में और भी हवाई अड्डों के निर्माण के लिए आवश्यक बजट आवंटन किया जाएगा।

सेवानिवृत्त शिक्षिका मून कुमारी को भारी मन से दी गई विदाई

शिक्षा के क्षेत्र में मून कुमारी के योगदानों को सहकर्मी शिक्षकों ने किया याद

कैप्शन - शिक्षिका मून कुमारी का सम्मान करते स्कूल परिवार।

जमालपुर।

नगर परिषद जमालपुर क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय मोहनपुर में कार्यरत शिक्षिका मून कुमारी की सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिवार की ओर से विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित अन्य शिक्षा कर्मियों ने अपने सहकर्मी शिक्षिका को भारी मन से विदाई दी। सहकर्मी शिक्षकों ने सेवानिवृत शिक्षिका मून कुमारी के कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदानों को याद करते हुए कहा कि एक शिक्षक के रूप में मून कुमारी ने अपने दायित्वों का भरपूर निर्वहन किया है। शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाने में उनका प्रयास काफी सराहनीय रहा है। 1997 में धरहरा प्रखंड के मध्य विद्यालय हेमजापुर से शिक्षिका के रूप में उन्होंने अपना सफर का आरंभ किया। इसके उपरांत उन्होंने जगदीशपुर और फिर मोहनपुर में योगदान देकर उस क्षेत्र मे शैक्षणिक माहौल को बनाने का काम किया। जमालपुर शहर में मून कुमारी ने एक सशक्त शिक्षिका के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। मून कुमारी जैसी एक मृदुभाषी महिला शिक्षिका के सेवानिवृत होने से पूरे विद्यालय को एक अच्छी शिक्षिका की कमी खेलेगी। उनके विचार और व्यवहार से शिक्षक परिवार के साथ-साथ सभी छात्राएं भी काफी प्रभावित थे, यही कारण है कि उन्हें कोई भी दिल से भुला नहीं पाएगा। वहीं विद्यालय में अध्यनरत छात्र-छात्राओं ने भी अपनी शिक्षिका के द्वारा अध्यापन के हर एक पल को याद करते हुए शिक्षिका कुमारी को सम्मान भरे शब्दों से और विदाई गीत के साथ उन्हें विदाई दी। बच्चों ने अपने प्रिय शिक्षिका के सम्मान में कई तरह के कार्यक्रम भी आयोजित किया। इधर, पटेल सेवा संघ के अध्यक्ष राजकुमार मंडल, सचिव लटोरी मंडल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकताओं ने शिक्षिका मून कुमारी की सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह में शामिल होकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। समाजसेवियों के द्वारा भी सेवानिवृत शिक्षिका को सम्मानित कर उनके योगदानों की सराहना की। मौके पर आकांक्षा,अक्षय, सुधांशु ,रुचि, निधि,रूबल, रिंकू ,ममता दीदी,आशीष कुमार सिन्हा,उज्जवल कुमार, अर्चना देवी सहित अन्य मौजूद थे।

आध्यात्मिक बल और संकल्प शक्ति से कार्य में मिलती है सफलता - कौशिक भाई

जमालपुर।

विगत पांच दिनों से जमालपुर की पावन धरा श्री मारवाड़ी धर्मशाला के प्रांगण में श्री श्री 108 महामाया शक्ति धाम मंदिर की तृतीय स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर संपन्न हो रहे देवी भागवत कथा में श्रद्धालु भक्तों का रुझान बढ़ता जा रहा है। देवी भागवत कथा का श्रवण कर भक्त आनंदित हो रहे हैं। देवी भागवत कथा का श्रवण करने पहुंचे जमालपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ अजय कुमार सिंह, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष साईं शंकर सहित विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं को कथावाचक कौशिक महाराज ने देवी मां का प्रसाद देते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में विजयी होने की

शुभकामनाएं दी। अपने मुखारविंद से देवी का गुणगान करते हुए कौशिक महाराज ने कहा कि महाकाली क्रिया शक्ति, महालक्ष्मी द्रव्य शक्ति और महा सरस्वती बुद्धि शक्ति है। तीनों देवियों के शक्ति के समन्वय से ही संसार में सभी शुभ कार्य होते हैं। केवल पुरुषार्थ से कुछ भी संभव नहीं है। आध्यात्मिक बल और संकल्प शक्ति से ही कार्य सफलता पूर्वक परिणाम तक पहुंचकर सफल होते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने भी रावण के सामने विजय प्राप्त करने हेतु शक्ति की पूजा की। महाराज जी ने कथा में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की शक्ति पूजा तथा नवरात्रि के व्रत की महिमा का बखान किए। सोमवार को कथा के मुख्य यजमान योगेश अग्रवाल एवं मंजू अग्रवाल के अलावा महेश शंघई ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर माता की आराधना। मौके पर गिरधर शंघई, जयशंकर शर्मा, राजकुमार शर्मा, प्रकाश पंसारी, संजय अग्रवाल, साईं शंकर, माधव मस्कारा, आशीष शाह,विकास गर्ग, रितेश गर्ग, दिनेश जोशी, सुनील अग्रवाल एवं हजारों भक्तगण मौजूद रहे।

अमरकांत की जन्मशती के अवसर पर दोपहर का भोजन कहानी पर बतकही का आयोजन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के समीप पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के सभागार में बतकही की 28 वीं कड़ी आयोजित की गई। प्रसिद्ध कहानीकार अमरकांत की जन्मशती के अवसर पर उनकी कहानी दोपहर का भोजन का पाठ किया गया और उस पर गंभीर चर्चा हुई। कहानी का पाठ शिक्षिका प्रियंका पांडेय द्वारा किया गया। बतकही कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने किया और संयोजन पुरुषोत्तम पाठक, चंदन कुमार और सिंहेश सिंह ने संयुक्त रूप से किया। बतकही की शुरूआत करते हुए डॉ शिवपूजन सिंह ने कहा कि इस कहानी में मध्यमवर्गीय परिवार के आर्थिक तंगी को प्रस्तुत किया गया है। ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह ने कहा कि कहानी में समाज के निम्नवर्गीय परिवार के हृदय को झकझोरने वाली पहलुओं का वर्णन किया गया है। उन्होंने कहानी के कठिन एवं लोक प्रचलित शब्दों की व्याख्या की। डॉ रामाधार सिंह ने इस कहानी को सामाजिक पर्यावरण से जोड़कर बताया। दोपहर का भोजन आज भी प्रासंगिक है। शिक्षिका शशिबाला सिंह ने कहा कि यह कहानी आज भी प्रासंगिक है।कहानी की नायिका सिद्धेश्वरी आर्थिक तंगी के बावजूद तनाव में कभी नहीं जाती। शिक्षक राम सुरेश सिंह ने कहा कि शीर्षक से ही कहानी की यथार्थता का पता चलता है।दोपहर का भोजन कहानी समीचीन है।शिक्षक रामभजन सिंह ने कहा कि तंगहाली से गुजरती मां की अंतर्व्यथा का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया गया है। रमेश मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि इसमें नारी पात्र के उदार चरित्र का वर्णन किया गया है। शिक्षक डॉ हेरम्ब मिश्र ने कहा आज के दौर में इस कहानी की प्रासंगिकता बढ़ गई है। शिक्षक जयप्रकाश सिंह ने कहा कि इस कहानी की प्रासंगिकता हर युग में रहेगी। पुरुषोत्तम पाठक ने कहा कि निर्धनता आने पर कभी विचलित नहीं होना चाहिए। प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर

साहू ने कहा कि कहानी के संवाद अत्यंत ही मार्मिक है।इसमें सामाजिक मुद्दों की भी बात की गई है। कहानी के केंद्र में आर्थिक विषमता को रखा गया है।यह कहानी आज भी प्रासंगिक है। शिक्षिका अनुपमा कुमारी ने कहा कि इसमें मध्यम वर्ग की त्रासदी का वर्णन किया गया है।शिक्षक डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में रहकर भी सिद्धेश्वरी अपना संस्कार नहीं छोड़ती है। मनरेगा अधिकारी पाण्डेय मनोज कुमार ने कहा कि इस कहानी में अभावग्रस्त परिवार का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया गया है। युवा कवि हिमांशु चक्रपाणि ने कहा कि इस कहानी में संवेदना का भाव भरा है। शिक्षिका प्रियंका पांडेय ने कहा कि आज भी सिद्धेश्वरी समाज में जिंदा है। नारायण सिंह ने कहा कि इसमें नारी का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया गया है।धनंजय जयपुरी ने कहा कि इसमें आंचलिक का बोध है। निरंतर परिवर्तित हो रहे समाज में समस्या के प्रति गंभीर रहने की आवश्यकता है। शिक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि इसमें नारी की आंतरिक पीड़ा को दशार्या गया है। समकालीन जवाबदेही के संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि बेरोजगारी में ही लोग सामूहिक भोजन करतें हैं।सिद्धेश्वरी धन्यवाद की पात्र है जिसने आधा पेट खाकर भी पूरे परिवार को समेट कर रखा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुमार वीरेंद्र ने कहा कि अमरकांत की यह कहानी जन्मशती के अवसर पर पढ़ी जा रही है।जिस समय यह कहानी लिखी जा रही थी उस समय डिजिटलाइजेशन की शरूआत हो रही थी।यह कहानी कई सवाल छोड़ती है।यह कहानी निम्न मध्यवर्गीय परिवार की सामाजिक हकीकत की कहानी है।अमरकांत के कहानी के पात्र बहुत ही कम बोलते हैं। कम बोलकर भी सिद्धेश्वरी ने गरीबी केअभावों को महसूस तो किया पर प्रकट नहीं किया। सिद्धेश्वरी अभाव के बीच पूरे परिवार को भाव के धरातल पर एकजुट करती है।यह मूलतः सामाजिक अंतर्विरोध की कहानी है। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि बतकही ने साहित्यिक अभिरुचि पैदा की है।इसमें सहभागिता निभानेवाले लोग साहित्य के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे हैं।इस कहानी में बेरोजगारी की समस्या कल भी थी और आज भी है। सिद्धेश्वरी आधी रोटी खाकर जीवन से संघर्ष कर रही है।धन्यवाद ज्ञापन जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने किया।मौके पर चंदन पाठक ,देवेन्द्र दत मिश्र, अशोक कुमार सिंह, उज्जवल रंजन,इंजीनियर अर्जुन सिंह,ओमप्रकाश पाठक,लवकुश प्रसाद सिंह, समाजसेवी सुरेंद्र सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

राजा चौधरी ने

श्वेता तिवारी

को कहा अनपढ़, बेटी पलक की पढ़ाई पर भी किया बड़ा खुलासा

श्वेता तिवारी टीवी के दुनिया का जाना माना नाम हैं, वो काफी वक्त से इंजस्ट्री से जुड़ी हुई हैं. प्रोफशनल लाइफ के साथ ही साथ एक्ट्रेस हमेशा ही अपने पर्सनल लाइफ को लेकर लोगों के बीच चर्चा में घिरी रहती हैं. एक बार फिर उनके एक्स हसबैंड ने श्वेता के साथ अपने रिश्ते के बारे में और भी बाकी चीजों को लेकर बात की है. दोनों ने साल 1998 में शादी की थी, लेकिन दोनों की शादी ज्यादा दिन सही नहीं चली थी, जिसके बाद दोनों अलग हो गए.श्वेता तिवारी ने दो शादियां की था, जिसमें से पहली शादी उन्होंने राजा चौधरी के साथ की थी. लेकिन, बाद में कई तरह की परेशानियों के चलते वो अलग हो गए. हाल ही में राजा ने एक इंटरव्यू में उनके साथ रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा कि वो श्वेता से कई चीजों के बारे में सवाल करना चाहते हैं, जिनमें से एक ये है कि उन्होंने पुराने वक्त में पुलिस को बुलाने की जगह आपस में मामला सुलझाने के बारे में क्यों नहीं सोचा. साथ ही उन्होंने खुलासा करते हुए ये भी कहा कि श्वेता के दोस्तों ने शादी तोड़ने में

एक्ट्रेस की काफी हेल्प की.

श्वेता की कमाई थी ज्यादा

हिंदी रश से बात करते हुए राजा ने एक्ट्रेस की कमाई को लेकर बात की. उन्होंने कहा, श्वेता, मुझसे ज्यादा कमा रही थी, मैं भी काम कर रहा था, लेकिन क्या इससे कोई फर्क पड़ता है ? एक आदमी अपनी पूरी जिंदगी कमाता है जिस दिन एक औरत कमाती है, उसे लगता है कि यह उसका पैसा था. लेकिन, आदमी तो कभी नहीं कहता कि यह मेरा पैसा है. औरत का पैसा औरत का पैसा होगा, अजीब नाटक है. फिर बातें होंगी कि कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे, बराबरी करेंगे, अबे कहां हो बराबरी के लायक ? चार रुपए देखकर तुम्हारी नीयत बदल गई.

पलक के फ्यूचर की प्लानिंग

राजा ने बात करते हुए श्वेता की पढ़ाई को लेकर भी बात की है. उन्होंने कहा कि श्वेता ने खुद पढ़ाई नहीं की थी, इसी वजह से उन्होंने ही पलक के फ्यूचर की पूरी प्लानिंग की थी और कहा था, तुमने पैसे देखे नहीं, बचपन से तुमने गरीबी की जिंदगी जी है, चावल में रह रहे हो, अचानक से जब पैसे आए तो दिमाग खराब होता है लोगों का. पढ़ाई-लिखाई तुमने की नहीं है, अनपढ़ तुम वैसे हो, झूठे हो.

पहली ही फिल्म थी ब्लॉकबस्टर, फिर इस एक्टर ने साइन कर ली थीं 49 फिल्में

साल 1990 में एक फिल्म आई थी 'आशिकी'. इस पिक्चर ने बॉक्स ऑफिस के साथ ही लोगों के दिलों पर भी राज किया और इस कदर ब्लॉकबस्टर हुई कि आज 35 साल बाद भी लोग इसे बड़े चाव के साथ देखना पसंद करते हैं. फिल्म तो बहुत बड़ी ब्लॉकबस्टर निकली ही, वहीं इसके गानों ने भी फैंस को दीवाना बना लिया था. वहीं फिल्म के लीड हीरो राहुल रॉय भी छा गए थे.

राहुल रॉय की ये पहली ही फिल्म थी. डेब्यू से ही राहुल रॉय रातोंरात स्टार बन गए थे. इसके बाद उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई थी. आशिकी के बाद उन्होंने दस-बीस नहीं बल्कि करीब 50 फिल्में साइन कर ली थीं. ये खुलासा खुद राहुल ने एक बातचीत के दौरान किया था. लेकिन इसके बावजूद राहुल फिर कभी आशिकी जैसा जादू बड़े पर्दे पर नहीं दोहरा सके. उन्हें आधी फिल्में तो छोड़नी पड़ गई थीं.

राहुल रॉय ने साइन की थीं 49 फिल्में

एक बार राहुल रॉय आशिकी की कास्ट के साथ मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो पर पहुंचे थे तब कपिल ने राहुल से सवाल किया था, 卐आशिकी के बाद आपने 50 फिल्में साइन की थी ये अफवाह है या सच है ?卐 इस पर राहुल ने कहा था, 卐अफवाह है. लेकिन 49 फिल्में थीं और उस समय एक कानून बना था कि एक आर्टिस्ट एक साथ 12 फिल्मों से ज्यादा साइन नहीं कर सकता. मैं तो उन लकीरों को पार कर चुका था, लेकिन 25 या 26 फिल्मों के मैंने साइनिंग वापस दे दिए थे.卐 राहुल के पास एक साथ इतनी फिल्में थीं तो उनके पास ज्यादा वर्कलोड था, ऐसे में उन्हें कई फिल्में छोड़नी पड़ी. इनमें एक फिल्म शाहरुख खान और सनी देओल की डर (1993) भी थी.

राहुल का फिल्मी करियर

आशिकी के बाद राहुल ने कई फिल्में की, लेकिन वो स्टारडम और वो शोहरत फिर कभी नहीं मिली जो आशिकी ने दिलाई थी. पहली ही फिल्म ब्लॉकबस्टर होने के बाद भी राहुल का करियर ढलान पर चला गया और वो फ्लॉप एक्टर्स में गिने जाने लगे. उन्होंने अपने करियर में 'जुनून', 'फिर तेरी कहानी याद आई', 'नसीब', 'एलान' और 'कैबरे' सहित कई फिल्मों में काम किया. राहुल मशहूर रियलिटी शो 'बिग बॉस' के पहले सीजन का खिताब भी जीत चुके हैं.

अब्बा डब्बा जब्बा कहकर ऑडियंस को हंसाने वाली ये एक्ट्रेस अब कहां है? की 100 से ज्यादा फिल्में

बॉलीवुड में कई सारे ऐसे सीन्स हैं जो सुपरडुपर हिट हुए. ऐसे कई सारे डायलॉग्स भी हैं जो अपने समय में भी खूब चले और आज भी पसंद किए जाते हैं. कई कलाकारों पर तो उनके किरदार इतने भारी पड़े कि वे अपने किरदारों के नाम से ही पुकारे जाने लग गए. आज हम बात करेंगे एक ऐसी एक्ट्रेस की जिसने सिर्फ 3 शब्द बोले और लोग पेट पकड़-पकड़ कर हंसने लग गए. हम बात कर रहे हैं मशहूर कैरेक्टर एक्ट्रेस उपासना सिंह की. जुदाई फिल्म में बोला गया उनका एक डायलॉग बहुत हिट रहा था. इसके बोल थे अब्बा डब्बा जब्बा. इन 3 शब्दों से ही एक्ट्रेस ने सभी को खूब हंसाया था. आइये जानते हैं कि आजकल कहां हैं और क्या कर रही हैं उपासना सिंह.उपासना सिंह का जन्म पंजाब के होशियारपुर में हुआ था. उन्होंने अपने करियर में पंजाबी, गुजराती, हिंदी और राजस्थानी फिल्मों में काम किया. बॉलीवुड में उन्हें कॉमिक और नेगेटिव शेड्स के रोल्स ज्यादा ऑफर हुए. बाई चली ससरिए नाम की राजिस्थानी फिल्म से तो उन्होंने ट्रेंड सेट कर दिया था. इस फिल्म को इतना पंसद किया गया था कि ये 100 दिन से भी ज्यादा दिनों तक सिनेमाघरों में चली थी. ऐसा करने वाली राजेस्थानी फिल्म इंडस्ट्री की ये पहली फिल्म बनी थी.

एक डायलॉग ने बदल दी जिंदगी

साल 1997 में जुदाई नाम की एक फिल्म आई थी. इस फिल्म में उपासना ने वाणि का रोल प्ले किया था. फिल्म में उनकी केमिस्ट्री जॉनी लीवर के साथ देखने को मिली थी. पूरी फिल्म में उपासना अब्बा डब्बा जब्बा नाम का तकिया कलाम बोलती हैं. जब-जब वे ऐसा बोलती हैं उनके एक्सप्रेशन्स देख फैंस हंसी नहीं रोक पाते हैं. आज भी ये सीन काफी एपिक माना जाता है और फैंस को काफी पसंद भी आता है.

इन प्रोजेक्ट्स का रहीं हिस्सा

उन्होंने गंगा का वचन, इंसाफ की देवी, डर, कृष्णा अर्जुन, जुदाई, लोफर, सरफरोश, बादल, हमारा दिल आपके पास है, हंगामा, मुझसे शादी करोगी, हलचल, गोलमाल रिटर्न्स, गॉड तुस्सी ग्रेट हो समेत कई फिल्में शामिल हैं. टीवी की दुनिया में उन्होंने जय हनुमान, सोनपरी, मायका, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो में काम किया. उनके ह्यूमर को बहुत पसंद किया जाता रहा है. अब वे फिल्मों में पहले के मुकाबले काफी कम एक्टिव रहती हैं.

सभी कितने असहज...

वरुण धवन

ने निधन पर कवरेज को लेकर साधा निशाना, की खास अपील

एक्टर वरुण धवन एक ऐसे एक्टर हैं जिन्हें बेहद कम मौकों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए देखा जाता है. हाल ही में उन्होंने निधन को लेकर होने वाली मीडिया कवरेज पर अपने विचार व्यक्त किए हैं. उन्होंने बताया है कि ये कुछ लोगों के लिए कितना अनकन्फर्टेबल हो जाता है. एक्टर का ये रिएक्शन तब आया है जब हाल ही में 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया. सोशल मीडिया पर उनके अंतिम संस्कार के कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं जिसमें उनके करीबी रोते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि वरुण ने अपनी पोस्ट में किसी का भी नाम मेंशन नहीं किया है लेकिन उन्होंने फ्यूनरल पर होने वाली कवरेज को लेकर एक बड़ी अपील की है.वरुण धवन ने इंस्टा स्टोरी पर लिखा- 'एक बार फिर से मीडिया ने किसी के निधन पर बहुत असंवेदनशील कवरेज की है. मुझे नहीं समझ में आता है कि किसी के दुख और शोक को हम लोग क्यों कवर करते हैं. वो कितने असहस लग रहे हैं. इससे भला किसी को क्या फायदा मिलता होगा. मैं मीडिया इंडस्ट्री के अपने साथियों से ये विनती करता हूं कि कोई भी अपनी अंतिम यात्रा को इस तरह कवर होते हुए नहीं देखना चाहता होगा.' उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ ब्रोकन हार्ट इमोजी भी शेयर किया. उनकी पोस्ट से साफ पता चल रहा था कि वे कितने मायूस नजर आ रहे हैं.

सलमान खान के बिग बॉस का थीं हिस्सा

शेफाली जरीवाला की बात करें तो वे साल 2002 में कांटा लगा गाने से चर्चा में आई थीं और रातोंरात सेंसेशन बन गई थीं. उन्होंने फिल्मों और टीवी शोज में भी काम किया. वे सलमान खान के शो बिग बॉस के 13वें सीजन का भी हिस्सा रही थीं. शेफाली की पॉपुलैरिटी यूथ के बीच बहुत ज्यादा थी और उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग थी. उनके निधन से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री काफी दुखी है.

किन फिल्मों का हिस्सा हैं वरुण धवन ?

वरुण धवन की बात करें तो वे साल 2024 में स्त्री 2 और बेबी जॉन जैसी फिल्म में नजर आए थे. बेबी जॉन फिल्म से फैंस को काफी उम्मीदें थीं लेकिन ये फिल्म उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म नहीं कर सकी थी. फिलहाल एक्टर 3 प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं. वे सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी, है जवानी तो इश्क होना है और बॉर्डर 2 जैसी फिल्मों का हिस्सा हैं.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया- जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ-साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स
देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर-1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

"जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ-सफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे-धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप-प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़-पौधा लगन! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ ले चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान-जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें!

सम्पर्क सूत्र :-

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com

8084674042

6202611859
8084674042